छ.ग. राज्य विद्युत कम्पनी मर्या. की गृह पत्रिका

# संकल्प

मार्च-अप्रैल 2015 ▪ वर्ष-11

RAIPUR (C.G.)
CSPD CO. LTD.

23 मार्च
**शहीद दिवस**

शहीदों की चिताओं पर
लगेंगे हर बरस मेले
वतन पर मिटने वालों का
यही बाकी निशां होगा

EYE ON DEVELOPMENT OF CHHATTISGARH

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

छ.ग. विद्युत कं. मर्या. की गृह पत्रिका

# संकल्प

मार्च-अप्रैल 2015 ▪ वर्ष-11

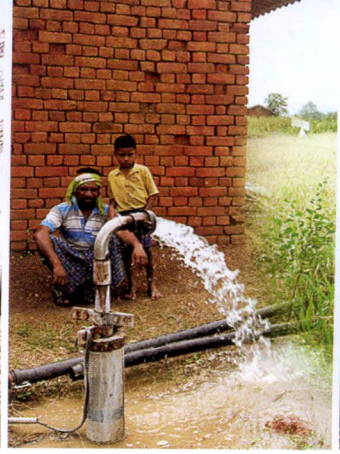

**संरक्षक**

- **श्री शिवराज सिंह**
  अध्यक्ष
- **श्री सुबोध सिंह**
  प्रबंध निदेशक (ट्रेडिंग कं. मर्या.)
- **श्री विजय सिंह**
  प्रबंध निदेशक (पारेषण कं. मर्या.)
- **श्री शशिभूषण अग्रवाल**
  प्रबंध निदेशक (उत्पा. कं. मर्या.)
- **श्री अनूप कुमार गर्ग**
  प्रबंध निदेशक (होल्डिंग कं. मर्या.)
- **श्री अंकित आनंद**
  प्रबंध निदेशक (वित. कं. मर्या.)
- **श्री शारदा सिंह**
  कार्यपालक निदेशक (मा.सं.)
- **श्री अजय श्रीवास्तव**
  अति. महाप्रबंधक (मा.सं.)

**संपादक**

- **श्री विजय कुमार मिश्रा**
  उपमहाप्रबंधक (जनसंपर्क)

**सहयोग**

- **श्री जाबिर मोहम्मद कुरैशी**

**छायाकार**

- **श्री संजय टेम्बे**

**पता :**

**संपादक : संकल्प**
उपमहाप्रबंधक (जनसंपर्क)
छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत होल्डिंग कं. मर्या.
डंगनिया रायपुर, छत्तीसगढ़
**e-mail : vijay.mishra361@gmail.com**

# छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत कम्पनी मर्यादित

## प्रदेश में विद्युत प्रगति का पटल

| | नवंबर 2000 | मार्च 2015 |
|---|---|---|
| ताप विद्युत क्षमता | 1240 मेगावॉट | 2286 मेगावॉट |
| जल विद्युत क्षमता | 120 मेगावॉट | 138.70 मेगावॉट |
| कुल ताप, जल विद्युत क्षमता | 1360 मेगावॉट | 2424.76 मेगावॉट |
| क्षमता वृद्धि | --- | 1064.70 मेगावॉट |
| अति उच्चदाब उपकेंद्रों की संख्या | 27 नग | 90 नग |
| अति उच्चदाब लाइनों की लंबाई | 5205 सर्किट कि.मी. | 10688 सर्किट कि.मी. |
| 33/11 के.व्ही. उपकेंद्रों की संख्या | 248 नग | 945 नग |
| 33 के.व्ही. लाइनों की लंबाई | 6988 सर्किट कि.मी. | 18037 सर्किट कि.मी. |
| 11/04 के.व्ही. उपकेंद्रों की संख्या | 29692 नग | 113907 नग |
| 11 के.व्ही. लाइनों की लंबाई | 40556 कि.मी. | 87414 कि.मी. |
| निम्नदाब लाइनों की लंबाई | 51314 कि.मी. | 154945 कि.मी. |
| केपेसिटर स्थापित | 94 एमव्हीएआर | 935 एमव्हीएआर |
| कुल आबाद ग्रामों की संख्या (जनगणना 2011 के अनुसार) | --- | 19567 |
| विद्युतीकृत ग्रामों की संख्या | 17087 | 18446 |
| विद्युतीकरण का प्रतिशत | --- | 94.29 |
| विद्युतीकृत मजराटोलो की संख्या | 10375 | 25195 |
| विद्युतीकृत पंपों की संख्या | 72400 | 364459 |
| एकलबत्ती कनेक्शन की संख्या | 630389 | 1596982 |

# उम्मीदें सांस लेती हैं, यकीं मुस्कुराता है...

**छत्तीसगढ़** राज्य के गठन के उपरांत 15 नवम्बर 2000 को जब छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत मण्डल का गठन हुआ, तो यूं उम्मीद जगी मानो शहर के साथ-साथ गांव के पांव में भी माहुर की तरह सजने को बिजली बेताब हो उठी। बिजली की ऐसी बेताबी को हकीकत में तब्दील करना "आकाश कुसुम" तोड़ लाने जैसा असंभव कार्य था। इस असंभव कार्य को संभव बनाने में जुटे बिजली अमला की अंजुरी में विरासत में मिली "छत्तीसगढ़ की लचर विद्युत अधोसंरचना" थी। इसके बावजूद सभी श्रेणी के विद्युत कर्मियों की आंखों में जलती अटूट आत्मविश्वास की ज्योति बयां करती थी- **अंधेरी रात में जब, जुगनू कहीं टिमटिमाता है, उम्मीदें सांस लेती हैं, यकीं भी मुस्कुराता है.**

लचर विद्युत संरचना को टुकुर-टुकुर निहारते, नई-नई विद्युत योजनाओं का ताना-बाना बुनते विद्युत कर्मियों का कारवां बिना रूके, बिना थके **"उत्तम विद्युत-उन्नत छत्तीसगढ़"** के सपने को साकार करता चला गया। आंधी तूफान की परवाह किये बिना एक दृढ़ संकल्पित सिपाही की भांति हमेशा मैदान पर डंटे रहने वालों की हार नहीं होती को विद्युत कर्मियों ने चरितार्थ कर दिखाया। न्यूनतम समय में अधिकतम काम के साथ ही नवीनतम तकनीकी को अमल में लाते हुये छत्तीसगढ़ की लचर विद्युत व्यवस्था को सुदृढ़ विद्युत व्यवस्था में तब्दील कर दिया।

विद्युत से विकास का गढ़ बना छत्तीसगढ़ नवलखा हार की तरह भारत के हृदय स्थल पर जड़ा अब समूचे देशवासियों के आकर्षण का केन्द्र बन गया। यहां की धरती पर जहां बियांबान बस्ती थी वहां आज बिजली से रौशन आबादी है। बिजली को लेकर हाहाकार मचे छत्तीसगढ़ को अंधियारी से मिली आजादी है। ऐसे दौर में आम से लेकर खास के भीतर हर पल, हर क्षण बिजली पाने की बढ़ती ख्वाहिशें एक नई चुनौती बनकर उभरी है। यह चुनौती विद्युत कर्मियों को ललकारती कहती है- **ख्वाहिशें खरगोश के मानिंद है, इनको छू पाना कहां आसान है...**

प्रदेश में विभिन्न श्रेणी के उपभोक्ताओं की बढ़ती संख्या और बढ़ती ख्वाहिशें यकीनन खरगोश के मानिंद ही है, किन्तु नई-नई चुनौतियों को स्वीकार करने की फितरत रखने वाले विद्युतकर्मी भी किसी "ख्वाहिश केचर" से कम नहीं हैं। इसका एक सशक्त और ताजा उदाहरण है मड़वा-तेदूभाठा ताप विद्युत परियोजना की दूसरी इकाई का सफलतापूर्वक सिक्रोनाईजेशन होना। अनेक चुनौतियों और कठिनाइयों को पार करते हुये उत्पादन संकाय के कर्मियों ने 500 मेगावॉट क्षमता की इस विद्युत इकाई का सिंक्रोनाइजेशन किया। उत्पादन कंपनी के इतिहास पटल पर दर्ज 500 मेगावॉट क्षमता की यह तीसरी इकाई है।

प्रदेश में विभिन्न श्रेणी के उपभोक्ताओं की बढ़ती संख्या और बढ़ती ख्वाहिशें यकीनन खरगोश के मानिंद ही है, किन्तु नई-नई चुनौतियों को स्वीकार करने की फितरत रखने वाले विद्युतकर्मी भी किसी "ख्वाहिश केचर" से कम नहीं हैं।

विद्युत उत्पादन कंपनी की यह बड़ी उपलब्धि विद्युत उत्पादन की दिशा में क्रांतिकारी प्रगति की आदर्श मानक है। राज्य गठन के समय केवल 50 मेगांवाट, 120 मेगावॉट और 210 मेगावॉट क्षमता की इकाइयां ही उत्पादन कंपनी के खाते में दर्ज थी। इसमें इजाफा करते हुये उत्पादन कंपनी ने 250 मेगावॉट से लेकर 500 मेगावॉट क्षमता की इकाइयों को स्थापित करने की अभूतपूर्व मिसाल को प्रदर्शित किया है। विद्युत कंपनीज की ऐसी उपलब्धियां विद्युतकर्मियों के भीतर निहित निरन्तर आगे बढ़ो-आगे बढ़ो की मंशा को व्यक्त करते हुये कहती है-

*डर मुझे भी लगा फासला देखकर, पर मैं बढ़ता गया रास्ता देखकर*
*खुद-ब-खुद मेरे नजदीक आते गई, मेरी मंजिल मेरा हौसला देखकर।*

**विजय मिश्रा**

## मड़वा ताप विद्युत परियोजना की दूसरी इकाई सिंक्रोनाइज्ड

# जीरो पॉवर कट स्टेट बना रहेगा छत्तीसगढ़

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत उत्पादन कंपनी की मड़वा तेंदूभाठा ताप विद्युत परियोजना की दूसरी इकाई का सफलतापूर्वक सिंक्रोनाइजेशन (परीक्षण विद्युत उत्पादन) किया गया। प्रदेश में विद्युत उत्पादन क्षमता में वृद्धि की दिशा में यह एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। छत्तीसगढ़ राज्य उपक्रम के पहले सुपर थर्मल पॉवर प्रोजेक्ट की इस इकाई की क्षमता 500 मेगावाट है। प्रदेश को भविष्य में भी विद्युत के मामले में आत्मनिर्भर बनाये रखने की दृष्टि से इस महत्वाकांक्षी परियोजना की इकाई के सिंक्रोनाइजेशन पर मान. मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह, पॉवर कंपनी के अध्यक्ष श्री शिवराज सिंह एवं छ.ग. शासन के प्रमुख सचिव ऊर्जा श्री अमन सिंह ने जनरेशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री एस.बी. अग्रवाल सहित उत्पादन कंपनी के अधिकारियों/कर्मचारियों को बधाई दी।

जांजगीर-चांपा जिले के निकट ग्राम मड़वा-तेंदूभाठा में निर्माणाधीन ताप विद्युत परियोजना में 500-500 मेगावॉट क्षमता की दो इकाईयां शामिल है। इसकी पहली इकाई का सिंक्रोनाइजेशन 20 दिसम्बर 2013 को किया गया था। इस दिशा में विद्युत उत्पादन कंपनी के अधिकारियों-कर्मचारियों ने टीम वर्क का प्रदर्शन करते हुये दूसरी इकाई का

ऑइल सिंक्रोनाइजेशन दिनांक 31 मार्च 2015 को किया गया। इस मौके पर परियोजना के कार्यपालक निदेशक श्री ए.के. सिंह ने समस्त अधिकारियों-कर्मचारियों को सफल आइल सिंक्रोनाइजेशन के लिए बधाइयां दी।

इस अवसर पर उपस्थित अतिरिक्त मुख्य अभियंता (परियोजना) श्री एस.पी. चेलकर, अतिरिक्त मुख्य अभियंता (उत्पादन ) श्री पी.पी. मोड़क, अधीक्षण अभियंता (विद्युत निर्माण) श्री व्ही.के. साहू, कार्यपालन अभियंता (मुख्यालय ) श्री आर.के. शर्मा, कार्यपालन अभियंता (बॉयलर) श्री एस.एन. देवांगन समेत अन्य अधिकारियों-कर्मचारियों ने खुशी का इजहार करके मंगलकामनाओं का आदान-प्रदान किया। निकट भविष्य में मड़वा ताप विद्युत परियोजना की दोनों इकाईयों को क्रियाशील किया जायेगा। इससे राज्य जनरेशन कंपनी की उत्पादन क्षमता 3424.70 मेगावॉट हो जायेगी।

छत्तीसगढ़ विद्युत नियामक आयोग के पदाधिकारियों को परियोजना के बाते में जानकारी देते कार्यपालक निदेशक श्री ए.के. सिंह

*What A Nice defination of*
"TODAY"
**T** - This is an
**O** - Opportunity to
**D** - Do
**A** - A work, better than
**Y** - Yesterday.

# बिजली की शिकायतों को गंभीरता से लें, एमडी ने चेताया

छत्तीसगढ़ पॉवर वितरण कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री अंकित आनंद ने अफसरों से कहा है कि वे बिजली संबंधी समस्याओं व शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए तत्काल निराकरण करें, उन्होंने उपभोक्ता सेवा में विस्तार के साथ सुधार के निर्देश दिए।

श्री आनंद ने कंपनी मुख्यालय विद्युत सेवा भवन में पहली बार अधीक्षण अभियंता (एसई) स्तर तक के अधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने दीनदयाल ग्राम ज्योति के तहत सर्वे और डीपीआर बनाने का काम शीघ्र करने के निर्देश दिये, ग्रामीण विद्युतीकरण को प्राथमिकता देते हुए कार्य करने के साथ ही एमडी ने उपभोक्ता सेवा को सुदृढ़ बनाने पर खास ध्यान देने की बात कहते हुए कहा कि उपभोक्ताओं की बिजली संबंधी शिकायतों एवं समस्याओं को गंभीरता से लें और उसका त्वरित निराकरण करें, उन्होंने शिकायत दर्ज होने और उसके निराकरण के बीच लगने वाले समय को कम करने के निर्देश दिए। श्री आनंद ने आनलाईन बिजली कनेक्शन के संबंध में वितरण केन्द्रों में सिस्टम के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि कनेक्शन के लिए अनिवार्य रूप से एक मई से ऑनलाईन आवेदन अनिवार्य किया जाए, केवल उन्हीं केन्द्रों में मैनुअल आवेदन लिए जाएं, जहां कम्प्यूटर सिस्टम उपलब्ध न हो।

## लाईन लॉस घटाने व बकाया वसूली पर जोर

बैठक में एमडी ने लाईन लॉस में कमी लाने और बकाया राजस्व वसूली पर खास जोर दिया। उन्होंने लक्ष्य से पीछे चल रहे अफसरों को हिदायत दी कि वे बकाया राशि वसूली में किसी तरह की सुस्ती न दिखाएं। श्री आनंद ने आरएपीडीआरपी के तहत चल रहे कार्यों को भी समयसीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए।

## वितरण कंपनी सोशल मीडिया पर

वर्तमान सामाजिक परिदृश्य को ध्यान में रखते हुए विद्युत उपभोक्ताओं तक विद्युत उपभोक्ता सेवा सुविधाओं की अद्यतन जानकारी समय पर पहुंचाने, उपभोक्ताओं से सतत् संपर्क बनाये रखने और उनसे प्राप्त फीडबैक के अनुसार सुविधाओं में आवश्यक सुधार हेतु छ.रा.वि.वि. कंपनी ने निम्नलिखित सोशल मीडिया के माध्यम से उपभोक्ताओं से संपर्क स्थापित करना प्रारंभ कर दिया है :

1. फेसबुक : http://facebook.com/cspdclofficial
2. ट्वीटर : http://twitter.com/cspdclofficial
3. व्हॉट्स एप : 947 900 3475

## प्रबंध निदेशक श्री अंकित आनंद का बिलासपुर दौरा

# शहर की भांति ग्रामीण उपभोक्ताओं को भी ऑन लाईन सेवाओं से जोड़ना प्राथमिकता

छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर वितरण कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री अंकित आनंद द्वारा 25 मार्च 15 को बिलासपुर क्षेत्र का दौरा किया गया। इस दौरान उन्होंने तिफरा मुख्यालय स्थित डाटा सेंटर, नेहरू नगर जोन कार्यालय सहित विभिन्न फ्यूज़ आफ कॉल सेंटर का प्रत्यक्ष निरीक्षण किया। साथ ही बिलासपुर रीजन के अंतर्गत आने वाले शहरी-ग्रामीण क्षेत्रों के अधिकारियों की बैठक ली।

बैठक में उपस्थित अधिकारियों को श्री आनंद ने विद्युत उपभोक्ताओं को दी जाने वाली सुविधायें, लाईन लॉस, आरएपीडीआरपी का क्रियान्वयन, बिजली बंद संबंधी आन लाईन शिकायत, त्वरित निराकरण आदि पर विस्तारपूर्वक चर्चा की। उन्होंने कहा कि वितरण कंपनी द्वारा अत्याधुनिक प्रणालियों का क्रियान्वयन उपभोक्ताओं के हित में करने की अभूतपूर्व पहल की गई है। इसका ज्यादा से ज्यादा लाभ शहरी उपभोक्ताओं की भांति ग्रामीण उपभोक्ताओं को मिले, यह अधिकारियों की विशेष सक्रियता पर ही निर्भर है। अधिकारीगण अपनी कार्यशैली में श्रेष्ठता को प्रदर्शित करते हुये उपभोक्ता संतोष को अर्जित करें।

बैठक में क्षेत्रीय/मैदानी अधिकारियों ने 5000 उपभोक्ताओं को त्वरित विद्युत कनेक्शन देने की जानकारी देते हुये प्रशासनिक कठिनाईयों के संबंध में अवगत कराया। श्री आनंद ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि शहर की तरह ग्रामीण क्षेत्रों में ऑनलाईन योजना शुरू करें और उस पर त्वरित निराकरण किया जाये।

एमडी श्री आनंद के प्रथम प्रवास पर बिलासपुर क्षेत्र के कार्यपालक निदेशक श्री पी.के. अग्रवाल, अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री टी.के. मेश्राम सहित अन्य अधिकारियों ने स्वागत कर शुभकामनायें व्यक्त की। बिलासपुर दौरा के दौरान वितरण कंपनी के मुख्य सतर्कता अधिकारी श्री भीम सिंह, ईआईटीसी के मुख्य अभियंता श्री अशोक कुमार एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल हुये।

## 132/33 के.व्ही. विद्युत उपकेंद्र मगरलोड में अतिरिक्त ट्रांसफार्मर ऊर्जीकृत

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत पारेषण कंपनी द्वारा मगरलोड जिला धमतरी के 132 के. व्ही. विद्युत उपकेंद्र में 40 एमव्हीए क्षमता का एक अतिरिक्त ट्रांसफार्मर स्थापित कर इसे पारेषण कंपनी के उच्चाधिकारियों की उपस्थिति में 10 मार्च 15 को सफलतापूर्वक ऊर्जीकृत किया गया। इस कार्य में लगभग 4.0 करोड़ रुपए का व्यय हुआ है।

कंपनी के प्रबंध निदेशक, श्री विजय सिंह ने बताया कि पूर्व में इस क्षेत्र की विद्युत आपूर्ति 132 के.व्ही. विद्युत उपकेंद्र मगरलोड के एकमात्र 40 एमव्हीए क्षमता वाले ट्रांसफार्मर के माध्यम से की जा रही थी। एक ही ट्रांसफार्मर उपलब्ध होने के कारण इस क्षेत्र में आये दिन विद्युत व्यवधानों की आशंका बनी रहती थी। किन्तु उपकेंद्र में एक और अतिरिक्त ट्रांसफार्मर 40 एमव्हीए क्षमता का स्थापित हो जाने के कारण अब निश्चित रूप से व्यवधानों में कमी होगी तथा दो ट्रांसफार्मर होने के कारण ओवरलोड की समस्या नहीं होगी।

## ''सिलतरा-कचना'' अतिउच्चदाब लाईन क्रियाशील

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत पारेषण कंपनी द्वारा सिलतरा से कचना तक नवनिर्मित 132 के.व्ही. की अतिउच्चदाब लाईन को दिनांक 27 मार्च 2015 को कंपनी के उच्चाधिकारियों की उपस्थिति में क्रियाशील किया गया। लगभग 07 किमी. लम्बी इस लाईन की क्रियाशीलता से 132 के.व्ही कचना उपकेंद्र को 220/132 के.व्ही. उपकेंद्र उरला के साथ-साथ 220/132 के.व्ही. सिलतरा उपकेंद्र से बिजली सप्लाई प्राप्त होने लगी है।

कंपनी के प्रबंध निदेशक, श्री विजय सिंह ने इस बारे में बताया कि अभी तक कचना उपकेंद्र को 220 के.व्ही. उपकेंद्र उरला से लाईन जाती थी। जिस कारण उरला उपकेंद्र में फॉल्ट होने पर कचना उपकेंद्र में विद्युत व्यवस्था में व्यवधान उत्पन्न हो जाता था। अब सिलतरा-कचना के बीच 132 के.व्ही. की लाईन बन जाने से इस प्रकार की समस्या दूर हो सकेगी। आपातकालीन स्थिति में उरला उपकेंद्र को भी सिलतरा से 132 के.व्ही की सप्लाई प्राप्त हो सकेगी। इस नई ऊर्जीकृत पारेषण लाईन के निर्माण में लगभग रुपए 02 करोड़ व्यय हुए है। इस नई लाईन के चालू होने से उरला, सिलतरा एवं कचना अति उच्चदाब उपकेंद्रों की पारेषण प्रणाली सुदृढ़ हुई है।

## 12.45 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित जैजैपुर विद्युत उपकेंद्र ऊर्जीकृत

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत पारेषण कंपनी मर्यादित द्वारा 20 मार्च 15 को 12.45 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित जैजैपुर विद्युत उपकेंद्र को ऊर्जीकृत करने में पारेषण कंपनी को सफलता मिली। नये ऊर्जीकृत उपकेन्द्र के संबंध में एमडी श्री सिंह ने जानकारी दी कि जांजगीर चाम्पा क्षेत्र के जैजैपुर में स्थापित 132/33 के. व्ही. विद्युत उपकेंद्र में 40 एम.व्ही.ए. क्षमता का ट्रांसफार्मर स्थापित किया गया है।

इस उपकेंद्र को ऊर्जीकृत करने वाली 22.5 किमी. लम्बी 132 के.व्ही. जैजैपुर लाईन को अभी हाल ही में इसी माह 04 मार्च 2015 को ऊर्जीकृत किया गया था। इस उपकेंद्र के ऊर्जीकृत होने से जैजैपुर के साथ-साथ उसके आसपास के गांवों की विद्युत समस्याएं कम होगी तथा इन क्षेत्रों को भविष्य में बिना व्यवधान की समुचित विद्युत व्यवस्था का पूर्ण लाभ प्राप्त हो सकेगा।

## 220/132 के. व्ही. विद्युत उपकेंद्र बनारी में अतिरिक्त ट्रांसफार्मर ऊर्जीकृत

छत्तीसगढ़ राज्य में गांव, शहरों के घर-घर तक समुचित वोल्टेज पर बिजली पहुंचाने हेतु युद्धस्तर पर पारेषण प्रणाली एवं वितरण प्रणालियों का विस्तार किया जा रहा है। विद्युत गृहों से उत्पादित बिजली को घरेलू उपभोक्ताओं, कृषि उपभोक्ता तथा अन्य निम्नदाब उपभोक्ताओं तक पहुंचाने के लिए अतिउच्चदाब उपकेन्द्रों एवं लाईनों की आवश्यकता होती है। इसे दृष्टिगत रखते हुये छत्तीसगढ़ राज्य पारेषण कंपनी द्वारा नये उपकेन्द्रों के निर्माण, क्रियाशीलता सहित अतिउच्चदाब लाईनों के विस्तार कार्य में तेजी लाई गई है। इस संबंध में पारेषण कंपनी द्वारा अर्जित नई उपलब्धि के संबंध में प्रबंध निदेशक श्री विजय सिंह ने बताया कि 220/132 के.व्ही. विद्युत उपकेंद्र ''बनारी'' में 160 एमव्हीए क्षमता का एक अतिरिक्त ट्रांसफार्मर स्थापित किया गया है, जिसके निर्माण में लगभग 9.0 करोड़ रुपए का व्यय हुआ है।

आगे श्री सिंह ने विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि पूर्व में इस क्षेत्र की विद्युत आपूर्ति 220/132 के.व्ही. विद्युत उपकेंद्र बनारी-चांपा के एकमात्र 160 एमव्हीए क्षमता वाले ट्रांसफार्मर के माध्यम से की जा रही थी। एक ही ट्रांसफार्मर उपलब्ध होने के कारण इस क्षेत्र में आये दिन विद्युत व्यवधानों की आशंका बनी रहती थी। किन्तु उपकेंद्र में एक और अतिरिक्त ट्रांसफार्मर 160 एमव्हीए क्षमता का स्थापित हो जाने के कारण अब निश्चित रूप से व्यवधानों में कमी होगी तथा अब ट्रांसफार्मर्स की क्षमता 320 एमव्हीए हो जाने के कारण ओवरलोड की समस्या नहीं होगी। जिससे कि वहां के रहवासियों को उच्च गुणवत्ता की विद्युत आपूर्ति सतत् होती रहेगी।

# जगदलपुर क्षेत्र में दो नये 33/11 के.व्ही. उपकेन्द्रों का लोकार्पण

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी द्वारा प्रदेश के सुदूर ग्रामीण अंचलों सहित आदिवासी बाहुल्य क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति हेतु युद्धस्तर पर विद्युत प्रणाली का विकास किया जा रहा है। इस दिशा में आगे बढ़ते हुये जगदलपुर क्षेत्र के अंतर्गत बड़े डोंगर (कोंडागांव) एवं बेनूर (नारायणपुर) में नवनिर्मित दो नये 33/11 के.व्ही. उपकेन्द्रों का लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर मुख्य अभियंता श्री आर.बी. त्रिपाठी ने बताया कि इन उपकेन्द्रों की क्रियाशीलता से बेनूर एवं आसपास के 80 ग्रामों तथा बड़े डोंगर के आसपास के 50 गांवों की लो-वोल्टेज की समस्या का निदान हुआ है। इन उपकेन्द्रों का लाभ कुल 8700 उपभोक्ताओं को होगा। साथ ही 11 के.व्ही. फीडर छोटे होने से विद्युत व्यवधान में भी कमी आयेगी।

इस अवसर पर अधीक्षण अभियंता सर्वश्री एस.के. चक्रवर्ती, एम.के. सिन्हा, पी.के. शुक्ला, कार्यपालन अभियंता सर्वश्री व्ही.के. महालय, टी.आर. कैवर्त सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन एवं विद्युत कंपनी के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

# राज्य विद्युत नियामक आयोग द्वारा जगदलपुर क्षेत्र के विद्युत विकास पर बैठक

जगदलपुर क्षेत्र में छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत नियामक आयोग के अध्यक्ष श्री नारायण सिंह ने विद्युत विकास पर केन्द्रित एक उच्चस्तरीय बैठक 11 मार्च को ली। बैठक में उन्होंने राष्ट्रीय ऊर्जा नीति के अंतर्गत बस्तर संभाग की प्रगति और आर्थिक गतिविधियों को तेज करने के लिए गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति को विद्युत विभाग का दायित्व बताया। उन्होंने इसी क्रम में पांचों विद्युत कंपनियों से समन्वयपूर्वक कार्य करते हुये व्यवसायिक दृष्टिकोण एवं प्रतिस्पर्धात्मक नीति को अपनाते हुये नागरिकों को संतोषजनक विद्युत सेवा प्रदान करने पर बल दिया।

बैठक में उपस्थित अधिकारियों से विचार विमर्श करते हुये नियामक आयोग के अध्यक्ष श्री सिंह ने त्वरित नये विद्युत कनेक्शन देने, नई लाईन निर्माण एवं विद्युत अधोसंरचना में वृद्धि को पॉवर कंपनी के लिए हितकारी बताया। उन्होंने कहा कि नगरनार में जल्द ही एनएमडीसी का एकीकृत इस्पात संयंत्र प्रारंभ होगा, साथ ही अनेक सहायक उद्योग भी आयेंगे। इससे टाउनशिप विकसित होगी। इसे दृष्टिगत रखते हुये आगामी 30 वर्षों के लिए विद्युत अधोसंरचना की विकास योजना पर विद्युत विभाग को कार्य करना है।

बैठक के दौरान क्षेत्रीय मुख्य अभियंता द्वारा पखांजुर व चारामा में वोल्टेज समस्या को देखते हुये 132 के.व्ही. उपकेन्द्र शीघ्र बनाने की आवश्यकता व्यक्त की गई। इस पर नियामक आयोग के अध्यक्ष द्वारा सैद्धांतिक सहमति दी गई एवं पखांजुर उपकेन्द्र के लिए स्वीकृत 2 करोड़ की राशि के अतिरिक्त 8 करोड़ के आबंटन हेतु आश्वस्त किया गया।

बैठक में आयोग के सदस्य श्री व्ही.के. श्रीवास्तव, सचिव श्री पी.एन. सिंह, बस्तर संभाग के कमिश्नर श्री आर.पी. जैन, आयोग के तकनीकी सचिव श्री एस.पी. शुक्ला, बस्तर कलेक्टर श्री अमित कटारिया, दंतेवाड़ा कलेक्टर श्री के.सी. देवसेनापति, सुकमा कलेक्टर श्री नीरज बंसोड़, कार्यपालक निदेशक (ईएचटी) श्री के.एस. मनोठिया, जगदलपुर क्षेत्र के मुख्य अभियंता श्री आर.बी. त्रिपाठी, अधी. अभियंता सर्वश्री पी.सी. पारथी, ए.पी. सिंह, ओ.पी. सिंह, यू.आर. मिर्चे, एम.के. सिन्हा, पी.के.शुक्ला, एस.के. चक्रवर्ती सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

## :: विद्युत वितरण कम्पनी मैदानी कार्यालय ::

प्रदेश के उपभोक्ताओं एवं नये आवेदकों को विद्युत से संबंधित सेवाओं को सुचारू रूप से उपलब्ध करने के लिए प्रदेश में वितरण केन्द्र, उपसंभाग, संभाग, वृत्त, क्षेत्रीय कार्यालय एवं मुख्य कार्यालय कार्यरत है। विगत वर्ष में 4 नये संभाग, 8 नये उपसंभाग एवं 45 नये वितरण केन्द्र प्रारंभ किये गये हैं। तदानुसार राज्य में कुल 364 वितरण केन्द्र, 52 जोन, 103 उपसंभाग, 55 संभाग, 15 सर्किल, 06 क्षेत्रीय कार्यालय संचालित हैं।

# पावर कंपनी में बेहतर जीवन शैली- तनाव मुक्त विषय पर कार्यशाला

छत्तीसगढ़ राज्य पावर कंपनी में ''स्ट्रेस मैनेजमेंट, मेडिसिन फ्री लाइफ'' विषय पर कार्यशाला का आयोजन 09 अप्रैल 15 को हुआ। नेशनल एजुकेशन के विशेषज्ञों ने बिना दवाई के जीवन जीने के कारगर तरीके कार्यशाला में बताए। इसमें डॉ. कपिल रघाटाटे ने बताया कि आमतौर पर हार्टअटैक से होने वाली मौत को आकस्मिक मृत्यु कहा जाता है, लेकिन ऐसा नहीं है। दरअसल हार्टअटैक कभी भी अचानक नहीं होता। यह तीन-चार साल की प्रक्रिया है। अगर हार्ट अटैक के संकेतों को ध्यान में रखकर अलर्ट रहा जाए तो इससे बचा जा सकता हैं। इसी क्रम में उन्होंने बताया कि तनाव कोई बीमारी नहीं बल्कि समस्त बीमारियों की जड़ है। पुरूषों की तुलना में महिलायें जल्द तनाव मुक्त हो जाती हैं क्योंकि उनके जीवन में रोने, हंसने, भजन कीर्तन के समय क्लैपिंग (ताली बजाना) का अवसर अधिक आता है। ऐसी शैली से अपनाकर तनाव रहित जीवन जिया जा सकता है।

दो दिवसीय कार्यशाला में पावर होल्डिंग कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री अनूप कुमार गर्ग सहित विषय विशेषज्ञों का स्वागत कार्यपालक निदेशक श्री शारदा सिंह, एजीएम श्री अजय श्रीवास्तव, डॉ. के.एस. छाबड़ा, डी.डी. पात्रीकर, डॉ. हेमंत सचदेवा ने किया। कार्यशाला में मुख्य अभियंता सर्वश्री आई.एन. कैथवास, डब्ल्यू आर वानखेड़े, तृप्ति सिन्हा, जे.आर.पटेल, एस.आर.बांधे सहित बड़ी संख्या में प्रतिभागी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन डीजीएम (पीआर) श्री विजय मिश्रा ने किया। कार्यशाला के दूसरे सत्र में डॉ. कपिल ने बताया कि शरीर में फैट (वसा) बढने से रक्त नलियों में ब्लाकेज की स्थिति पैदा होती है और हार्टअटैक खतरा बढ़ जाता है। इस दौरान मरीज को सीने में दर्द, ठंडा पसीना और सिर हल्का लगता है। ऐसे संकेतों को आमतौर पर लोग गैस की समस्या मान लेते हैं, जबकि गैस की समस्या होने पर इसके विपरीत संकेत दिखाई देते है। जैसे गैस की समस्या में सीने में दर्द तो होता है, लेकिन गर्म पसीना आता है और सिर भारी लगता है। इसे यथासमय समझकर चिकित्सा लाभ लें तो मृत्यु से बचा जा सकता है। 35 वर्ष से अधिक आयु समुह के लोगों को रक्त नलियों में ब्लाकेज होने संबंधी परीक्षण अवश्य कराना चाहिए।

इसी क्रम में स्वस्थ रहने के टिप्स देते हुये उन्होंने बताया कि रोज 40 मिनट पैदल चलना चाहिए। मीठी नीम का उपयोग महिलाओं के लिए विशेष लाभदायी होता है। इसमें कैल्शियम अधिक होता है अतः प्रतिदिन इसके तीन चार पत्तों के सेवन से हड्डियों में मजबूती आती है। तुलसी के पत्ते को चबाकर खाने के बजाय उसे मसलकर निगलना चाहिए दरअसल तुलसी पत्ता में पारा (मर्करी) होता है जो कि दातों के लिए नुकसानदायक है। इसी तरह लहसुन का कच्चा सेवन के बजाय हल्का भुनकर सेवन करना अधिक हितकारी है। यह कोलेस्ट्राल एवं रक्त दबाव को नियंत्रित करता है।

# पॉवर कंपनी मुख्यालय में अग्निशमन सेवा दिवस पर विविध कार्यक्रम संपन्न

छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनी मुख्यालय विद्युत सेवाभवन में राष्ट्रीय अग्निशमन सेवा दिवस 17 अप्रैल 15 पर कर्मचारियों/अधिकारियों को अग्नि सुरक्षा विषयक जानकारी दी गई। मुख्य अग्निशमन सह सुरक्षा अधिकारी श्री सी.एस. ठाकुर ने बताया कि ग्रीष्मकाल आते ही अग्नि दुर्घटनाओं की संभावनाओं में बढ़ोत्तरी हो जाती है। यह ऐसी आकस्मिक आपदा है जो कभी भी किसी भी स्थान पर हो सकती है। मानवीय असावधानी, विद्युत चलित उपकरणों के समुचित रखरखाव में कमी, ज्वलनशील पदार्थों का असावधानीपूर्वक उपयोग आदि अग्नि दुर्घटना के प्रमुख कारण हैं। विद्युत उपकरणों, गैस-तेल में लगने वाली आग को ड्राइ केमिकल पावडर टाईप द्वारा बुझाई जाती है।

अग्निशमन दिवस कार्यक्रम में पॉवर होल्डिंग-वितरण कंपनी के कार्यपालक निदेशक श्री शारदा सिंह ने अग्निदुर्घटना से बचने हेतु विद्युत गृहों, उपकेन्द्रों, कार्यालयों में विशेष सतर्कता बरतने पर बल दिया। इसी तरह विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में विद्युत लाईनों एवं उपकरणों के पास पैरावट तथा ज्वलनशील पदार्थों को न रखने की सलाह दी। कार्यक्रम में श्री शारदा सिंह सहित अतिरिक्त महाप्रबंधक (मा.सं.) श्री अजय श्रीवास्तव, उपमहाप्रबंधक श्री डी.डी. पात्रीकर, प्रबंधक जितेन्द्र मेहता एवं अन्य उपस्थितजनों ने अग्निशमन उपकरणों का उपयोग प्रत्यक्ष रूप से करके देखा। कार्यक्रम में मुख्य अग्निशमन सह सुरक्षा अधिकारी श्री सी.एस. ठाकुर ने राष्ट्रीय अग्निशमन सेवा दिवस के इतिहास पर प्रकाश डालते हुये बताया कि 14 अप्रैल 1944 को बंबई पोर्ट के विक्टोरिया डाक में खड़े मालवाहक जहाज में भयंकर अग्नि दुर्घटना हुई थी। इस घटना में 66 अग्निशमन कर्मचारी सहित 740 सैनिक कालकवलित हुये तथा हजारों की संख्या में लोग घायल हुये थे। जहाज में लगी आग 3 दिन में बुझाई जा सकी।

इस भीषण अग्निदुर्घटना में शहीद हुये अग्निशमन बल के सैनिकों की शहादत में प्रतिवर्ष 14 अप्रैल को अग्निशमन दिवस मनाया जाता है। ऐसे आयोजन से औद्योगिक संस्थानों, सार्वजनिक स्थलों, चिकित्सालयों, विद्यालयों आदि में अग्निशमन संबंधी समस्त उपकरणों की आवश्यकता, रखरखाव के प्रति जागरूकता आती है।

# बिजली का नया कनेक्शन ₹250 में

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी द्वारा बिजली चोरी रोकने और उपभोक्ताओं को बेहतर सुविधाएं प्रदान करने के लिए नित नए प्रयास किए जा रहे हैं। इसी तारतम्य में अब घरेलू उपभोक्ताओं को बिजली का नया कनेक्शन सिफ्त 250 रूपए में प्रदान किया जा रहा है। नये विद्युत कनेक्शन शीघ्र दिये जाने के लिए कंपनी द्वारा निर्णय लिया गया है कि प्रत्येक विद्युत वितरण केन्द्र के प्रभारी द्वारा ग्रामों अथवा हाट बाजार में शिविर लगाकर मात्र सरपंच द्वारा व्यक्ति विशेष की पहचान के लिए प्रदत्त एक प्रमाणपत्र के साथ आवेदन के आधार पर टोकन राशि के रूप में 250 रूपए उपभोक्ता से जमा करा कर उपभोक्ता को तत्काल विद्युत कनेक्शन प्रदान किया जाएगा।

सिंगल फेज घरेलू कनेक्शन प्रदाय करने के समय लगने वाले चार्जेस यथा सर्विस कनेक्शन चार्ज की राशि 1200 रूपए को विद्युत बिलों के साथ अधिकतम 12 किस्तों में भुगतान करने की सुविधा उपभोक्ताओं को दी जा रही है जिससे उन पर आर्थिक बोझ ना पड़े। बीपीएल श्रेणी के अंतर्गत आने वाले समस्त उपभोक्ताओं को 40 यूनिट बिजली मुफ्त में प्रदाय किया जा रहा है। बीपीएल उपभोक्ताओं को छूट की सुविधा तब तक प्राप्त होगी जब तक वह वित्तीय वर्ष के 12 माह में प्रति माह 100 यूनिट के हिसाब से 1200 यूनिट की सीमा तक खपत करेगा। वित्तीय वर्ष 2015-15 में बीपीएल कनेक्शन धारकों को 40 यूनिट प्रतिमाह निःशुल्क विद्युत की सुविधा की पात्रता के लिए निर्धारित 100 यूनिट प्रतिमाह खपत की गणना नई विद्युत की दरों के प्रभावशील होने की तारीख यथा 01 जुलाई 2014 से 31 मार्च 2015 की अवधि अर्थात् 09 माह हेतु प्रतिमाह 100 यूनिट के मान से 900 यूनिट के अनुसार किया जाएगा।

## अंबिकापुर में शिविर

अंबिकापुर क्षेत्र के चारों संभागों में उपभोक्ताओं की सुविधा हेतु विद्युत समस्या निवारण शिविर 14 अप्रैल से चलाया जा रहा है। अंबिकापुर क्षेत्र के चारों संभाग के लगभग 334 ग्राम पंचायतों में अलग-अलग दिवस में विद्युत समस्या निवारण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर का आयोजन 23 मई 2015 तक जारी रहेगा। अंबिकापुर क्षेत्र के मुख्य अभियंता श्री एस.के.ठाकुर ने मैदानी अधिकारियों को शिविर आयोजन करने के निदश दिये। उन्होंने कहा कि शिविर में बिजली का नया कनेक्शन देने, बिजली बिल, ट्रांसफार्मर, विद्युत व्यवधान एवं लो-वोल्टेज संबंधी समस्या का समाधान करने के साथ ही ऊर्जा संरक्षण बिजली बचत, बिजली चोरी रोकने हेतु आमजनों को मैदानी अधिकारी जागरूक करने का कार्य भी करे।

उन्होंने कहा कि बिजली चोरी न केवल कानूनन अपराध है, बल्कि एक सामाजिक बुराई भी है। इससे प्रदेश की अर्थव्यवस्था पर अतिरिक्त बोझ पड़ता है। उपभोक्ताओं को विद्युत की निर्बाध आपूर्ति करने हेतु प्रदेश में करोड़ों रुपए खर्च किये जा रहे है। अतः विधिवत विद्युत कनेक्शन लेकर बिजली का उपयोग सबके हित में हैं। इसी क्रम में अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री आर.के.मिंज ने कहा कि विद्युत का अवैधानिक रूप से उपयोग किया जाना अपराध है अतः वैध कनेक्शन लेकर सुरक्षित जीवन के साथ उपभोक्तागण गुणवत्तापूर्ण बिजली का उपयोग करें।

## 1249 बिजली चोरी प्रकरण पर एफआईआर दर्ज

# चोरी रोकने 17 स्क्वॉड सक्रिय : 4420.27 लाख रुपए की उगाही

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी द्वारा बिजली चोरी रोकने हेतु प्रदेश भर में सघन जांच अभियान चलाये जा रहे हैं। प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में निम्नदाब एवं उच्च दाब उपभोक्ताओं के विद्युत कनेक्शनों की आकस्मिक जांच करने हेतु 16 निम्नदाब एवं 1 उच्च दाब स्क्वॉड का गठन किया गया है। इन्हें शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों के कुल 49 हजार विद्युत कनेक्शनों की जांच का टारगेट दिया गया था, इस लक्ष्य को पार करते हुये स्क्वॉड में शामिल अधिकारियों-कर्मचारियों ने 54610 कनेक्शनों की जांच कर अपनी कार्यकुशलता का परिचय दिया।

विजिलेन्स टीम द्वारा जांच अभियान के दौरान 3275 बिजली चोरी के तथा 7401 अवैध उपयोग के मामले पकड़े गये। इनके विरुद्ध सक्षम अधिकारियों द्वारा तत्काल वैधानिक कार्यवाही की गई। अर्थदण्ड, बिजली चोरी-अवैध उपयोग संबंधित सामग्रियों की जब्ती सहित पुलिस थाना में एफआईआर और स्पेशल कोर्ट में मामले दर्ज किये गये। वितरण कंपनी के मुख्य सतर्कता अधिकारी कार्यालय के वार्षिक प्रतिवेदन में दी गई उक्त जानकारी के मुताबिक 1249 बिजली चोरी के प्रकरण पर संबंधित पुलिस थानों में एफआईआर दर्ज किये गये। इसी तरह 283 मामलों के निराकरण हेतु स्पेशल कोर्ट में पेश किया गया।

विद्युत चोरी-दुरूपयोग तथा अवैध कनेक्शन की जांच हेतु गठित स्क्वॉड को वितरण कंपनी प्रबंधन की ओर से बिजली चोरी रोकने के साथ ही 3575 लाख रुपए की उगाही का लक्ष्य दिया गया था। विजिलेंस सेल के अधिकारियों ने इस वार्षिक लक्ष्य (2014-15) को पार करते हुये 4420.27 लाख रुपए की उगाही करने का कीर्तिमान बनाया।

उपभोक्ताओं को बिजली चोरी तथा अन्य कदाचरण से दूर रखने हेतु प्रदेश में बिजली कनेक्शन देने की प्रक्रिया को सरल बनाया गया है। साथ ही न्यूनतम राशि के भुगतान पर नया विद्युत कनेक्शन दिया जा रहा है। उपभोक्तागण विद्युत का वैध कनेक्शन लेकर समुचित रौशनी और सुरक्षित जीवन को सुनिश्चित करने इस योजना का अधिकाधिक लाभ लें।

## परिचयावली

# मुख्य अभियंता श्री अशोक कुमार

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी द्वारा ऊर्जा सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति की गई, जिसका लाभ शहरी-ग्रामीण क्षेत्र के विभिन्न श्रेणी के उपभोक्ताओं को मिलने लगा है। साथ ही साथ विद्युत कंपनी के कार्य पूर्ण पारदर्शिता के साथ त्वरित गति से संपन्न होने लगे हैं। वितरण कंपनी में ऊर्जा सूचना प्रौद्योगिकी संबंधी कार्यों एवं योजनाओं का सफल क्रियान्वयन कंपनी के ऊर्जा सूचना प्रौद्योगिकी केन्द्र द्वारा किया जाता है। वर्तमान में इस केन्द्र के दायित्व का निवर्हन मुख्य अभियंता श्री अशोक कुमार द्वारा सफलतापूर्वक किया जा रहा है। सितम्बर 2013 से यहां मुख्य अभियंता के पद पर सेवारत श्री कुमार का जन्म 10 जनवरी 1958 को बिलग्राम, जिला हरदोई (उ.प्र.) में हुआ।

अपनी माता श्रीमती विद्या देवी एवं पिता श्री श्याम बिहारी लाल की प्रेरणा से आपने वर्ष 1974 में बिलग्राम से इन्टर मीडियेट तथा वर्ष 1978 में कानपुर (एच.बी.टी.आई.) से बी.टेक. इलेक्ट्रिकल की उपाधि प्राप्त की। विद्या अध्ययन के उपरांत फरवरी 1979 में सहायक अभियंता (प्रशिक्षु) के पद पर मध्यप्रदेश विद्युत मण्डल में नरसिंहपुर से आपने अपने कैरियर का शुभारंभ किया। वर्ष 1980 में सहायक अभियंता के पद पर आप नागोद में पदस्थ किये गये। इस पद पर आपने सतना, बोड़हन (सीधी), डिंडोरी (मण्डला) केसली (सागर), अंबिकापुर में अपनी सेवायें दी। आगे आपकी पदोन्नति जुलाई 1997 में कार्यपालन अभियंता के पद पर हुई। इस पद पर आपने बेमेतरा में सेवायें दी। इसी क्रम में नवम्बर 2001 से अतिरिक्त अधीक्षण अभियंता के पद पर रायपुर, दुर्ग, राजनांदगांव में आप सेवारत रहे।

अपनी सेवायात्रा में उत्कृष्ट कार्यशैली एवं कार्यदक्षता को सतत् प्रदर्शित करते हुये जुलाई 2007 में अधीक्षण अभियंता के पद पर आप पदोन्नत हुये एवं आपकी पदस्थापना राजनांदगांव में हुई। इस पद पर अंबिकापुर एवं रायपुर में भी आपने अपनी सफलतम सेवायें दीं। आपके सफल कार्यकाल का आंकलन करते हुये पॉवर कंपनी प्रबंधन द्वारा आगे मई 2010 में अतिरिक्त मुख्य अभियंता के पद पर तथा सितम्बर 2013 में मुख्य अभियंता के शीर्ष पद पर आपको पदोन्नति दी गई। इन पदों पर आपकी पदस्थापना ऊर्जा सूचना प्रौद्योगिकी केन्द्र (ईआईटीसी) रायपुर में की गई। अपनी सेवायात्रा के दौरान फिलीपींस एवं मनीला से ऊर्जा क्षेत्र की नवीनतम जानकारी एवं शोध कार्य का भी आपको सुअवसर प्राप्त हुआ। बैडमिंटन खेलने एवं तकनीकी पत्रिकाएं पढ़ने में आपकी विशेष अभिरूचि है।

## आखिरी चाबी

लगातार हो रही असफलताओं से निराश नहीं होना चाहिए। कभी-कभी गुच्छे की आखिरी चाबी ताला खोल देती है।

# बीजापुर में कर्मचारी विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम

केन्द्रीय श्रमिक शिक्षा मण्डल, रायपुर के तत्वाधान में जगदलपुर क्षेत्र में दो दिवसीय कर्मचारी विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम दिनांक 07 व 08 अप्रैल 2015 को (संचा/संधा) संभाग बीजापुर में किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में केन्द्रीय श्रमिक शिक्षा बोर्ड के शिक्षा अधिकारी श्री ए.एस.ध्रुवे ने सकारात्मक सोच, समय प्रबंधन, तनाव प्रबंधन एवं सुरक्षा आदि विषयों पर सारगर्भित एवं रोचक जानकारी प्रदान की तथा इन बातों को अपने कार्य एवं दैनिक जीवन में प्रयोग से बेहतर परिणाम प्राप्त किये जा सकने का उल्लेख किया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन समारोह में मुख्य अभियंता श्री आर.बी. त्रिपाठी, अधि. अभियंता श्री यू.आर. मिर्चे एवं श्री पी.के. शुक्ला मंचासीन थे। इस दौरान श्री त्रिपाठी ने कहा कि प्रशिक्षण में बताये गये विषयों को दैनिक दिनचर्या एवं कार्यप्रणाली में अमल में लाकर प्रशिक्षणार्थी संस्था एवं स्वहित में लाभ उठा सकते हैं। समारोह का संचालन कल्याण अधिकारी श्री बी.के. डूम्भरे ने किया। प्रशिक्षण के दौरान कार्यपालन अभियंता श्री अमिताभ मिश्र सहित अन्य अधिकारियों-कर्मचारियों की सक्रियता उल्लेखनीय रही।

### 'सबके साथ - सबका विकास'

# देश-दुनिया में छाया, उमेश मिश्र का नारा

छत्तीसगढ़ सरकार के प्रदर्शन विज्ञापनों में सन् 2004 से छप रहा नारा 'सबके साथ - सबका विकास'। वर्ष 2014 और 2015 में देश और दुनिया में उस समय छा गया जब प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी से लेकर अमेरिका के राष्ट्रपति श्री बराक ओबामा, अमेरिका के विदेश मंत्री जॉन केरी आदि ने उसका जिक्र अनेक अवसरों पर किया। वर्ष 2015 में लोकसभा के बजट सत्र में माननीय राष्ट्रपति श्री प्रणव मुखर्जी के अभिभाषण में भी इस नारे का जिक्र हुआ तो फिर विधानसभा से लेकर लोकसभा तक इस नारे का उच्चारण नए संदर्भों में होने लगा। 'सबके साथ - सबका विकास' का सफर बड़ा दिलचस्प है और इसमें कोई दो राय नहीं कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के कारण ही इस नारे को इतनी प्रसिद्धि मिली।

इस नारे का सफर बड़ा रोमांचक है और छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत कंपनी परिवार के लिए गौरव का विषय है कि इस नारे को गढ़ने वाले अधिकारी का नाता विद्युत परिवार से है। दरअसल छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत मंडल में उपमहाप्रबंधक श्री उमेश मिश्र, छत्तीसगढ़ राज्य शासन के जनसंपर्क विभाग की सहयोगी संस्था छत्तीसगढ़ संवाद में संचालक (सृजन) के पद पर प्रतिनियुक्ति पर कार्यरत हैं। श्री मिश्र राज्य शासन में संयुक्त सचिव के पद पर भी पदस्थ हैं और मुख्यमंत्री सचिवालय में कार्यरत हैं। श्री मिश्र ने राज्य सरकार की अनेक पत्र-पत्रिकाओं का संपादन किया है तथा एक दशक से अधिक समय से राज्य शासन के द्वारा जारी किए जा रहे प्रदर्शन विज्ञापनों का निर्माण भी करते रहे हैं।

वर्ष 2004 में मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह के साथ राज्य सरकार के जनहितकारी योजनाओं की ब्रांडिंग के लिए श्री मिश्र ने 'सबके साथ - सबका विकास' पंचलाईन बनाई थी जो तत्कालीन जनसंपर्क सचिव श्री अमिताभ जैन तथा मुख्यमंत्री के सचिव श्री विवेक ढांड द्वारा अनुमोदित की गई थी। यह पंचलाईन मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह के व्यक्तित्व के अनुरूप होने के कारण उन्होंने भी इसे पसंद और अनुमोदित किया था। तत्पश्चात राज्य सरकार की ब्रांडिंग में इस नारे ने बड़ी भूमिका निभाई।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने अपने विभिन्न अभियानों में यह कहते हैं कि वे हर अच्छे सुझाव का स्वागत करते हैं और उसे मानने में उन्हें प्रसन्नता होती है। 'सबके साथ - सबका विकास' नारा गढ़ने वाले श्री मिश्र का कहना है कि बहुत से अच्छे-अच्छे नारे बनाए जाते हैं, लेकिन इस नारे का सौभाग्य है कि वह श्री मोदी की जुबान पर आ गया और इतनी प्रसिद्धि पा गया।

# प्रदेश के 11 जिले शत-प्रतिशत विद्युतीकृत

## » अधिकांश जिले सौ फीसदी के निकट

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी द्वारा प्रदेश के गांव-गांव तक बिजली पहुंचाने हेतु युद्धस्तर पर कार्य किया जा रहा है। फलस्वरूप प्रदेश के अधिकांश जिले शत-प्रतिशत विद्युतीकृत होने की स्थिति में पहुंच गये हैं। वितरण कंपनी प्रबंधन द्वारा ग्रामीण विद्युतीकरण संबंधी कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता से पूर्ण किये जाने का सुफल प्रदेश के 11 जिलों को शत-प्रतिशत विद्युतीकृत होने का गौरव प्राप्त हुआ है। उक्त जानकारी देते हुए उपमहाप्रबंधक (जनसंपर्क) श्री विजय मिश्रा ने बताया कि इन जिलों में रायपुर, बलौदाबाजार, धमतरी, महासमुंद, दुर्ग, बालोद, बेमेतरा, बिलासपुर, मुंगेली, जांजगीर, रायगढ़ शामिल है।

आगे श्री विजय मिश्रा ने बताया कि ग्रामीण विद्युतीकरण की दिशा में आगे बढ़ते हुए वितरण कंपनी प्रदेश के दस जिलों में भी जल्द से जल्द शत-प्रतिशत विद्युतीकृत करने में जुटी हुई है। इनमें गरियाबंद, राजनांदगांव, कबीरधाम, कांकेर, कोरबा, जशपुरनगर, सरगुजा, सूरजपुर, बलरामपुर, कोरिया ऐसे जिले है जहां 02 से लेकर 19 ग्राम विद्युतीकरण हेतु शेष है। इन ग्रामों के अलावा अन्य सुदूर वन्य क्षेत्रों में शामिल ग्रामों का विद्युतीकरण करने वितरण कंपनी द्वारा दीनदयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना के अंतर्गत कारगर कदम उठाये गये हैं।

प्रदेश में बिजली की भरपूर उपलब्धता है। इसका लाभ ग्रामीणजनों सहित गरीब तबके को मिल सके। इस संबंध में वितरण कंपनी की कोशिश की जानकारी देते हुए श्री विजय मिश्रा ने बताया कि प्रदेश में गांव-गांव में शिविर लगाकर टोकन राशि मात्र 250 रूपए लेकर उपभोक्ताओं को तत्काल विद्युत कनेक्शन देने की अनूठी पहल की गई है। सिंगल फेस घरेलु कनेक्शन प्रदाय करने के समय लगने वाले चार्जेस की कुल राशि रुपए 12 सौ को 12 किस्तों में भुगतान करने की सुविधा भी दी जा रही है। प्रदेश के गरीब तबके के घरों में बिजली पहुंचाने हेतु प्रदेश में 15 लाख 96 हजार 982 एकल बत्ती कनेक्शन दिये गये हैं। साथ ही किसानों को विद्युत सुविधा का लाभ देने 3 लाख 43 हजार 723 पम्पों के ऊर्जीकरण कार्य पूर्ण किये गये हैं। इसी तरह प्रदेश के दूरस्थ क्षेत्रों में स्थित मजरा-टोलों के विद्युतीकरण के मामलों में भी रिकार्ड टोल प्रगति वितरण कंपनी द्वारा की गई है। वर्तमान में 25 हजार 195 मजारा-टोले में निवासरत लोगों को बिजली के माध्यम से विकास की मुख्यधारा से जुड़ने सहित बुनियादी सुविधा का लाभ मिल सके।

# कोरबा ताप विद्युत गृह में राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह सम्पन्न

सुरक्षा केवल चर्चा की विषयवस्तु नहीं है बल्कि इसे अपने जीवन एवं कार्यशैली में अमल में लाना अत्यावश्यक है। सुरक्षा हमें हर जोखिम से बचाता है अत: इसे अपनाने में ही समझदारी है।

उक्त विचार कोरबा पूर्व में आयोजित 44वीं राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह के अन्तर्गत मुख्य अभियंता श्री एम.के.चौधरी ने व्यक्त किये। इस कार्यक्रम में मुख्य अभियंता (प्रशिक्षण) श्री एस.के. बंजारा तथा अधीक्षण अभियंता (मानव संसाधन) बी.बी. पी. मोदी के तथा कारखाना प्रबंधक श्री आर.एस. ठाकुर मंचासीन थे। मुख्य संरक्षा अधिकारी श्री आर.एल. ध्रुव ने कार्यक्रम संबंधी प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए संरक्षा संबंधी प्रश्न मंच का संचालन किया।

कार्यक्रम में श्री बंजारा ने आयोजन को प्रेरणादायी निरूपित किया। उन्होंने कहा कि सुरक्षा को सामाजिक दायित्व की तरह हमें निर्वहन करना चाहिए। ऐसे आयोजन लोगों को सुरक्षा के प्रति जागरूक एवं प्रेरित करते हैं। सुरक्षा नियमों के पालन को सुरक्षित जीवन के लिए महत्वपूर्ण बताया। इसी क्रम में श्री मोदी ने सुरक्षा के प्रभावी निष्पादन हेतु कर्मियों को प्रशिक्षित करने के विषय पर प्रकाश डाला। सुरक्षा संबंधी नारा एवं निबंध प्रतियोगिता के लिए ओमप्रकाश मिश्रा, हितेश सूर्यवंशी, पुरूषोतम दुबे, श्रीमती बबुली चौधरी, एस.के. साहू, घनश्याम साहू, एस.सी. तिवारी, श्रीमती ललिता खलखो, संदीप कुमार बघेल अमर दास महंत, कुलदीप सिंह ठाकुर, शकुन्तला टंडन तथा ए.आर. साहू पुरस्कृत किये गये।

कार्यक्रम का संयोजन आर.एल. ध्रुव मुख्य संरक्षा अधिकारी तथा संचालन एस.पी. बारले, वरि. कल्याण अधिकारी एवं आभार प्रदर्शन जी.एस. मंडावी अधीक्षण अभियंता प्रशिक्षण द्वारा किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में सुरक्षा समिति के सदस्यों एवं सर्वश्री एच.आर. नेताम, राकेश सिंह, एस.सी. तिवारी, सुरेश सोनी, के.के. त्रिपाठी, संतोष सिंह तथा सनत कुमार सिदार का सहयोग सराहनीय रहा।

## अनमोल वचन

इस तरह न कमाओ कि पाप हो जाए!
इस तरह न खर्च करो कि कर्ज हो जाए!
इस तरह न खाओ कि मर्ज हो जाए!

इस तरह न बोलो कि क्लेश हो जाए!
इस तरह न चलो कि देर हो जाए!
इस तरह न सोचो कि चिन्ता हो जाए!

# पॉवर कंपनी में कैंसर से बचाव संबंधी व्याख्यान माला संपन्न

छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनी में आदर्शिनी महिला मण्डल के बैनर तले कैंसर बीमारी से बचाव संबंधी व्याख्यानमाला का आयोजन 27 मार्च 15 को महिला क्लब डंगनिया रायपुर में किया गया। व्याख्यानमाला में डॉ. सुमन मित्तल (डी.एम.) ने बताया कि जीवनशैली में नियमितता तथा खान-पान में सावधानी रखकर इस भयावह बीमारी से सहजता से बचा जा सकता है।

यदि कोई व्यक्ति कैंसर व्याधि से ग्रसित होता है तो समय पर इलाज कराते हुये दवाइयों से ठीक होकर सामान्य जीवन जी सकता है। व्याख्यानमाला में महिला क्लब

की अध्यक्षा श्रीमती किरण सिंह, सचिव श्रीमती दीपा चौधरी, बीना नंदा, सुषमा सिंह, कुमकुम जैन, पॉवर कंपनी के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. एच.एल. पंसारी, वरि. चिकित्सा अधिकारी डॉ. ऊषा पिल्लई अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ.के.एस. छाबड़ा सहित बड़ी संख्या में गृहणियां उपस्थित थीं, जिन्होंने प्रमुख वक्ता मित्तल हास्पिटल रायपुर की संचालिका डॉ. सुमन मित्तल से प्रश्न कर अपनी जिज्ञासाओं का समाधान किया। व्याख्यानमाला के आरंभ में क्लब की अध्यक्षा श्रीमती सिंह सहित पदाधिकारियों ने अतिथियों का पुष्पगुच्छ से स्वागत किया एवं अंत में आभार प्रदर्शन श्रीमती कुमकुम जैन ने किया।

# अंबिकापुर क्षेत्र : बिजली बिल वसूली में इजाफा

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी के अंबिकापुर क्षेत्र में निम्नदाब उपभोक्ताओं से बिजली बिल वसूली से रिकॉर्ड इजाफा हुआ है। वित्तीय वर्ष 2014-15 में 91.19 प्रतिशत राजस्व की वसूली की गई है जो पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में 12.63 प्रतिशत अधिक है। अंबिकापुर क्षेत्र के मुख्य अभियंता श्री एस.के. ठाकुर ने बताया कि अंबिकापुर क्षेत्र के चारों संभाग में पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष अधिक राजस्व वसूली की गई है। बलरामपुर संभाग ने तो सर्वाधिक शत-प्रतिशत से अधिक राजस्व वसूली का रिकॉर्ड बनाया है। उन्होंने बताया कि वित्तीय वर्ष 2014-15 में अंबिकापुर संभाग में 9.25 प्रतिशत, बलरामपुर संभाग में 25.71 प्रतिशत, सूरजपुर संभाग में 18.28 प्रतिशत और मनेन्द्रगढ़ संभाग में 0.36 प्रतिशत अधिक राजस्व प्राप्त किया गया है।

उल्लेखनीय है कि वित्तीय वर्ष 2014-15 में अंबिकापुर संभाग में 74 करोड़ 44 लाख रूपए राजस्व वसूली का लक्ष्य रखा गया था जिसमें 86.92 प्रतिशत बिजली बिल वसूली की गई। बलरामपुर संभाग में 32 करोड़ 34 लाख रूपए राजस्व वसूली के लक्ष्य के विरुद्ध 100.39 प्रतिशत, सूरजपुर संभाग में 44 करोड़ 59 लाख रूपए लक्ष्य के विरुद्ध 93.89 प्रतिशत एवं मनेन्द्रगढ़ संभाग में 33 करोड़ 51 लाख रूपए लक्ष्य के विरुद्ध 88.22 प्रतिशत बिजली बिल से राजस्व वसूली किया गया है। उपभोक्ताओं की सुविधा में इजाफा करते हुए कंपनी ने अपनी आर्थिक सुदृढ़ता मजबूत करने के लिए भी अनेक कारगर कदम उठाये हैं। फलस्वरूप अंबिकापुर क्षेत्र के अनेक वितरण केन्द्रों में बिजली बिल वसूली की राशि शत-प्रतिशत करने का कीर्तिमान बनाया गया है।

वित्तीय वर्ष 2013-14 में अंबिकापुर संभाग में 58 करोड़ 25 लाख रूपए के विरुद्ध 77.67 प्रतिशत राजस्व वसूली किया गया। बलरामपुर संभाग में 25 करोड़ दो लाख रूपए लक्ष्य के विरुद्ध 74.67 प्रतिशत, सूरजपुर संभाग में 35 करोड़ 15 लाख रूपए लक्ष्य के विरुद्ध 75.61 प्रतिशत और मनेन्द्रगढ़ संभाग में 27 करोड़ 18 लाख रूपए 87.86 प्रतिशत राजस्व वसूली किया गया। मुख्य अभियंता श्री एस.के. ठाकुर ने बताया कि छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी द्वारा तीव्र विद्युत विकास के साथ ही उपभोक्ताओं की बिजली बिल जमा करने के साथ ही नई-नई सुविधाएं दी जा रही है। इसी का परिणाम है कि राजस्व वसूली में शानदार इजाफा हुआ है। बिजली बिल जमा करने के लिए प्रारंभ की गई नई सुविधाओं के अलावा सभी निम्नदाब उपभोक्ताओं को एंड्राइड मोबाइल एप्प के माध्यम से अपने डेबिट-क्रेडिट कार्ड और इंटरनेट बैंकिंग से विद्युत बिल भुगतान की सुविधा दी गई है। इसके माध्यम से उपभोक्तागण विद्युत बिलों का भुगतान करने के लिए काउंटरों में लम्बी कतारों से बच कर आसान उपायों को अपनाकर सहजता के साथ घर बैठे बिजली बिलों का भुगतान कर रहे हैं। उन्होंने अधिकारियों-कर्मचारियों को इसका श्रेय देते हुए कहा कि किसी भी कार्य की सफलता टीमवर्क की भावना से ही संभव है और इस सफलता का श्रेय उन्होंने उपभोक्ताओं को भी दिया क्योंकि उनकी जागरुकता के बगैर यह सफलता प्राप्त नहीं किया जा सकता था।

## देशभक्ति

महाराष्ट्र के रत्नागिरी जिले के काटलुक गांव में एक प्राईमरी स्कूल था. कक्षा चल रही थी.

अध्यापक ने बच्चों से एक प्रश्न किया यदि तुम्हें रास्ते में एक हीरा मिल जाए तो तुम उसका क्या करोगे?

मैं इसे बेच कर कार खरीदूंगा एक बालक ने कहा.

एक ने कहा, मैं उसे बेच कर धनवान बन जाउंगा.

किसी ने कहा कि वह उसे बेच विदेश यात्रा करेगा.

चौथे बालक का उत्तर था कि, मैं उस हीरे के मालिक का पता लगा कर लौटा दूंगा.

अध्यापक चकित थे, फिर उन्होंने कहा कि, मानो खूब पता लगाने पर भी उसका मालिक न मिला तो?

बालक बोला, तब मैं हीरे को बेचूंगा और इससे मिले पैसे को देश की सेवा में लगा दूंगा.

शिक्षक बालक का उत्तर सुनकर गदगद हो गये और बोले, शाबास तुम बड़े होकर सचमुच देशभक्त बनोगे.

शिक्षक का कहा सत्य हुआ और वह बालक बड़ा होकर सचमुच देशभक्त बना, उसका नाम था-

गोपाल कृष्ण गोखले.

# आदर्शिनी महिला मण्डल की वार्षिक कार्ययोजना संबंधी कार्यक्रम संपन्न

आदर्शिनी महिला मण्डल, छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनी के पदाधिकारियों ने नये सत्र में कल्याणकारी, समाजिक गतिविधियों सहित सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भागीदारी देने का संकल्प लिया। सदस्यों को श्रीमती रेखा शिवराज सिंह ने इस बाबत् प्रेरित करते हुये भविष्य में भी समाज के जरूरतमंदों की सेवा में सक्रिय रहने का आव्हान किया। वार्षिक कार्ययोजना संबंधी कार्यक्रम में अध्यक्षा श्रीमती किरण सिंह ने प्रतिवेदन प्रस्तुत किया तथा सचिव श्रीमती दीपा चौधरी ने आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर कार्यकारिणी सदस्यों ने कार्यक्रमों का बखूबी संचालन करने हेतु योजनाओं पर विचार-विमर्श किया। कार्यक्रम के दौरान संपन्न हुये विभिन्न रोचक खेलों के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। इस दौरान सौम्या षडंगी का ओडिशी नृत्य एवं अलिशा ग्रुप की प्रस्तुति सहित रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम ने मोहित किया.

# आदर्शिनी महिला मंडल द्वारा होली मिलन-महिला दिवस का आयोजन

आदर्शिनी महिला मंडल छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनी द्वारा होली मिलन एवं महिला दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समाज में महिलाओं की भागीदारी एवं उनकी उपादेयता पर प्रकाश डाला गया। इस अवसर पर महिला सदस्यों द्वारा होली गीत पर आकर्षक नृत्य की प्रस्तुति तथा होली से संबंधित हाऊजी एवं अन्य रोचक गेम खिलावाये गये। कार्यक्रम के अंत में होली की मिठाई, गुझिया व अन्य स्वादिष्ट व्यंजनों का महिला सदस्यों द्वारा आनंद लिया गया।

इस अवसर पर महिला मंडल की अध्यक्षा श्रीमती किरण सिंह एवं सचिव श्रीमती दीपा चौधरी सहित महिला क्लब की सदस्यों में शामिल श्रीमती बीना नन्दा, कुमकुम जैन, आशा शर्मा, ममता मिश्रा, सोनिया बघेल, माधुरी वर्मा, सीमा परिहार, वन्दना तेलंग, मंजु भंडारी, सुषमा सिंह ने फूलों की होली खेलकर शुभकामनाओं का आदान-प्रदान किया।

# संतान के गुणों को पहचानिए

अपने बच्चे सभी को प्यारे लगते हैं। ईमानदार मां-बाप उनका भविष्य संवारने के लिए उनकी गलतियों और कमजोरियों के प्रति सख्त होते हैं। अग इसमें भी लाड़ आड़े आ गया तो पूरे वंश का नुकसान है। हम इसलिए लगातार देखते रहते हैं कि कहीं यह कोई गड़बड़ न कर दे पर इसमें एक भूल हो जाती है। वह यह कि हमारे बच्चों में कुछ नैसर्गिक गुण होते है, जिनकी हम इस अतिरिक्त चौकन्नेपन के कारण अनदेखी कर जाते हैं। ये बातें बड़ी छोटी-छोटी होती हैं। पकड़िए हमारे बच्चे किन चीजों में दक्ष है। कोई अंताक्षरी बहुत अच्छी खेलता है। उसके मुंह से गाने के बोल फूल की तरह झरते हैं। कोई पहेलियां बहुत अच्छी बुझाता है। कुछ बच्चे टेलीफोन नंबर और पता याद रखने में कमाल करते हैं। किसी को एक बार रास्ता बता दो तो दुबारा भूलता नहीं। जब बड़े कोइ बात भूल जाएं तो कुछ बच्चे उन्हें तुरंत भूली हुई बात याद दिला देते हैं, यानी याद दिलाने में माहिर होते हैं, इसलिए पढ़ाई-लिखाई से हटकर कुछ उनकी ऐसी खूबियां हैं जिन पर हमें नजर रखना चाहिए। अगर बच्चा अन्य संतानों से बड़ा है तो उसकी गंभीरता को तराशें और यदि सबसे छोटा है तो उसकी मौज को पनपने दें। ये दोनों ही कुदरत की देन होती हैं, इसलिए हमारी अतिरिक्त जागरूकता में उनकी नैसर्गिक शक्ति का दमन न हो जाए। यह भी पूजा-पाठ का ही एक हिस्सा होगा कि आप चौबीस घंटे में कुछ समय दूर से अपने बच्चों की हरकतों को देखिएगा और पढ़ाई-लिखाई से हटकर यदि वे कोई अनूठा काम करें तो उसे योजनाबद्ध तरीके से उसकी खूबी में बदलिए। उसे तराशने का भरपूर मौका दीजिए। अन्यथा ऐसी योग्यता स्वत: विसर्जित हो जाएगी तथा हम और वह बच्चा भविष्य में एक साथ पछताएंगे।

# बिलासपुर क्षेत्र में अंतरक्षेत्रीय कबड्डी स्पर्धा का आयोजन

बिलासपुर क्षेत्र में 25 से 26 फरवरी तक अंतरक्षेत्रीय कबड्डी स्पर्धा का आयोजन किया गया। इसमें रायपुर क्षेत्र के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुये विजेता एवं कोरबा पश्चिम की टीम का उपविजेता होने का गौरव प्राप्त हुआ। बिलासपुर क्षेत्र के कार्यपालक निदेशक श्री पी.के. अग्रवाल, अति. मुख्य अभियंता श्री पी.के. मेश्राम, अधिक्षण अभियंता श्री ए.के. श्रीवास्तव तथा स्पर्धा आयोजन समिति के अध्यक्ष श्री बी.बी. सोनवानी ने विजयी खिलाडियों को बधाई एवं शुभकामना दी। आयोजन के निर्विवाद निर्वहन में केन्द्रीय पर्यवेक्षक श्री मनीराम साहू (वरि. सुरक्षा सैनिक) की भूमिका सराहनीय रही। स्पर्धा के समापन समारोह में कल्याण अधिकारी श्री आर.पी. गुरूदीवान ने आभार प्रदर्शन किया। दो दिवसीय स्पर्धा को सुचारू रूप से आयोजित करने में सर्वश्री शशिकान्त दुबे, मधुसूदन अड़बे, संतोष शर्मा, कमलेश सिंह, एस.के. चंदेल, यू.बी. वर्मा एवं सिविल वितरण संभाग के कर्मचारियों का योगदान सराहनीय रहा।

# राजनांदगांव क्षेत्र में अंतरक्षेत्रीय हॉकी स्पर्धा का आयोजन

राजनांदगांव क्षेत्र की मेजबानी में 27 फरवरी से 1 मार्च तक अंतरक्षेत्रीय हॉकी स्पर्धा का आयोजन किया गया। राजनांदगांव के अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम में पहली बार एस्ट्रो टर्फ मैदान पर पॉवर कंपनी की आठ क्षेत्रीय टीमों ने अपने खेल का प्रदर्शन किया।

कोरबा पश्चिम के मध्य ट्राई ब्रेकर के माध्यम से अंतिम फैसला हुआ जिसमें कोरबा पश्चिम की टीम ने रायपुर क्षेत्र की टीम को पराजित किया। स्पर्धा का उदघाटन मुख्य अभियंता श्री प्रहलाद सिंह ने छत्तीसगढ़ हॉकी संघ के महासचिव श्री फिरोज अंसारी एवं खेलकूद विभाग के सहायक संचालक श्री संजय पॉल की उपस्थिति में किया। खिलाड़ियों को संबोधित करते हुये मुख्य अभियंता श्री सिंह ने आपसी तालमेल बनाये हुये उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन करने का आव्हान किया। श्री प्रशांत तिवारी द्वारा समस्त खिलाड़ियों को शपथ दिलाई गई एवं कार्यक्रम का संचालन किया।

स्पर्धा के विजयी खिलाड़ियों को अधीक्षण अभियंता श्री आर.एन. याहके ने पुरस्कृत किया। उन्होंने सभी खिलाड़ियों को अच्छे खेल प्रदर्शन करने के लिए बधाई दी। स्पर्धा के केन्द्रीय पर्यवेक्षक श्री राजेश खरे थे। स्पर्धा के अंत में कार्यपालन अभियंता श्री अशोक उमरे ने आभार प्रदर्शन किया। तीन दिवसीय स्पर्धा को सफल बनाने में सर्वश्री प्रशांत पानसे, वीरेंद्र श्रीवास्तव, अशोक मोरे, शरद नायडू, चंद्रभान सिंह ठाकुर, हेमंत कश्यप का विशेष सहयोग रहा।

## मित्र - आलोचक

ईश्वर ने हमारे शरीर की रचना कुछ इस प्रकार की है कि न तो हम अपनी पीठ थपथपा सकते हैं और न ही स्वयं को लात मार सकते हैं। इसलिये हमारे जीवन में मित्र और आलोचक का होना जरूरी है।

# कोरबा पश्चिम में राष्ट्रीय संरक्षा पर केन्द्रित विविध कार्यक्रमों का आयोजन

हसदेव ताप विद्युत गृह में राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का प्रारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। श्री ओ.सी. कपिला ने उपस्थित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को संरक्षा शपथ दिलवाई। इस दौरान कार्यपालक निदेशक श्री ओ.सी. कपिला ने कहा कि प्रत्येक दुर्घटना की हमें गहराई से विवेचना करनी चाहिये। जिससे भविष्य में उसी प्रकार की गलती को रोका जा सके।

उन्होंने सुझाव दिया कि छोटे-छोटे कार्य करने से पहले हमें कार्य की रूपरेखा तैयार करनी चाहिये। कारखाना प्रबंधक श्री एन.के. बिजौरा ने कहा कि सामान्यतः दुर्घटना कार्य के प्रति अति आत्मविश्वास अथवा कार्य की अज्ञानता के कारण होती है। संरक्षा के प्रति जागरुकता की प्रवृत्ति छोटे से बड़े कर्मचारी-अधिकारियों में होना चाहिए, तभी दुर्घटना को रोकने में हम सफल हो पायेंगे। इसी क्रम में श्री ए.के. व्यास, श्री एस.एम. गोवर्धन, अतिरिक्त मुख्य अभियंता एवं श्री पी.के. सेलट, वरिष्ठ मुख्य रसायनज्ञ ने भी अपने बहुमूल्य विचार रखे।

राष्ट्रीय संरक्षा सप्ताह में संयंत्र के विभिन्न संभागों के बीच बेहतर हाऊस कीपिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई थी जिसमें संचालन वर्ग में विद्युत गृह क्रमांक एक एवं जलशोधन संयंत्र को संयुक्त रूप से प्रथम स्थान तथा कोल हस्तांतरण संचालन आंतरिक को द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ। संधारण वर्ग के वर्ग 'अ' में बॉयलर संभाग-एक प्रथम तथा कोल हस्तांतरण बाह्य संधारण द्वितीय, वर्ग 'ब' में विद्युत संधारण संभाग-एक प्रथम तथा कर्मशाला एवं गैरेज द्वितीय, वर्ग 'स' में उपकरण एवं नियंत्रण संभाग-दो प्रथम तथा संचार विभाग द्वितीय स्थान पर रहे।

संरक्षा सप्ताह में विभिन्न वर्ग में नारा, कविता एवं भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें नारा प्रतियोगिता में श्री कार्तिक दास ठेका श्रमिक श्री कमलेश ठाकुर एवं डॉ. श्रीमती मंजुला साहू प्रथम रहे। कविता प्रतियोगिता में कार्तिक दास, के.के. शुक्ला एवं डॉ. श्रीमती मंजुला साहू प्रथम तथा भाषण प्रतियोगिता में कमलेश सिंह ठाकुर एवं आई.ए. अंसारी प्रथम स्थान पर रहे।

श्री ओ.सी. कपिला, कार्यपालक निदेशक, श्री एन.के. बिजौरा ने विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किये। रमेश कपिलेश, मुख्य संरक्षा अधिकारी ने संरक्षा विभाग का प्रतिवेदन पढ़ा। कार्यक्रम का संचालन पी.के. दवे, वरिष्ठ कल्याण अधिकारी ने किया तथा आभार प्रदर्शन टी.के. हाज़रा, संरक्षा अधिकारी द्वारा किया गया।

## निःशक्तजनों की सेवा में आदर्शिनी महिला मंडल

आदर्शिनी महिला मंडल डंगनिया रायपुर द्वारा समय-समय पर समाज कल्याण हेतु कार्य किए जाते हैं। मंडल द्वारा निःशक्तजनों व वृद्धजनों के उपयोग में आने वाली सामग्री का वितरण किया जाता है। इसी संदर्भ में माना कैंप के वृद्धाश्रम जाकर उनके लिए वस्त्र, फल, मिठाई, दाल, चावल इत्यादि उन्हें प्रदान किया गया व आगे भी उनकी सहायता करते रहेंगे यह संकल्प मंडल की अध्यक्षा व सचिव द्वारा लिया गया। इस अवसर पर महिला क्लब की सभी सदस्य मौजूद थीं।

# मड़वा-तेंदूभाठा ताप विद्युत परियोजना में अग्निशमन सेवा दिवस

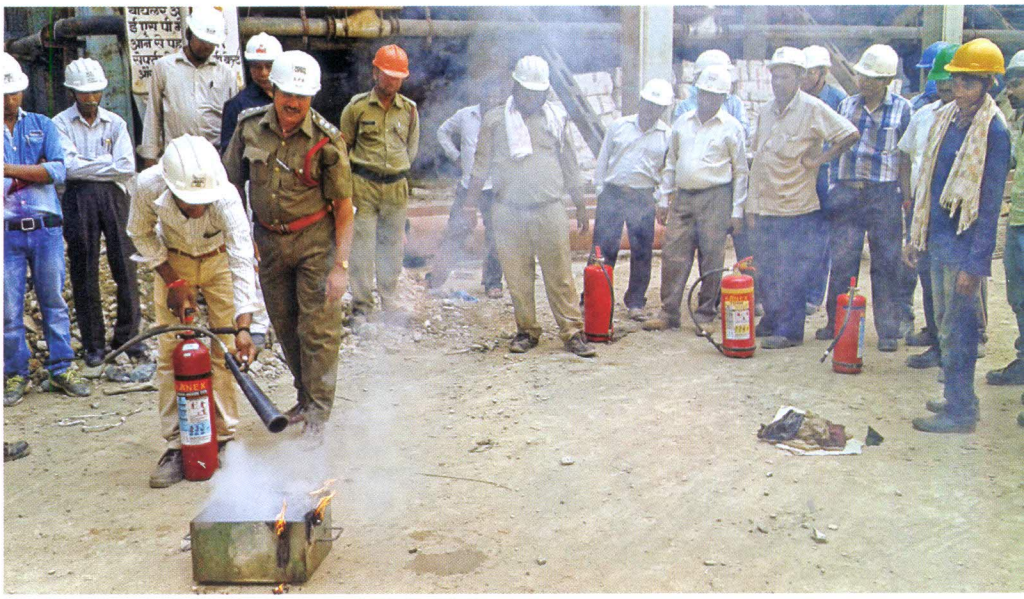

मड़वा-तेंदूभाठा ताप विद्युत परियोजना जांजगीर में 14 से 20 अप्रैल 2015 तक अग्निशमन सेवा दिवस एवं अग्नि निवारण सप्ताह का आयोजन हुआ। 14 अप्रैल को परियोजना सभागार में आयोजित उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि कार्यपालक निदेशक श्री ए.के. सिंह ने कहा कि संयंत्र के सभी अधिकारी-कर्मचारियों को अग्निशमन उपकरणों को संचालित करने में दक्ष होना चाहिए। इसके लिए ऐसे आयोजन की उपादेयता बहुत अधिक है। इस कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि अतिरिक्त मुख्य अभियंता (परियोजना ) श्री एस.पी. चेलकर और अधीक्षण अभियंता (कमीशनिंग) हाजी सिराजुद्दीन समेत बड़ी संख्या में अधिकारी, कर्मचारी और ठेका श्रमिक उपस्थित थे।

समापन समारोह का आयोजन 20 अप्रैल को शाम 04 बजे हुआ। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि अतिरिक्त मुख्य अभियंता (परियोजना) श्री एस.पी. चेलकर मौजूद थे। जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में अतिरिक्त मुख्य अभियंता (उत्पादन) श्री पी.पी. मोड़क और अतिरिक्त मुख्य अभियंता (सिविल) श्री ए.के. जैन शामिल हुए।

समारोह में सप्ताह भर हुए आयोजन के विजेताओं को मुख्य अतिथि के हाथों पुरस्कृत किया गया। नारा प्रतियोगिता में सेक्शन ऑफिसर श्री एस.के तिवारी को प्रथम पुरस्कार मिला। जबकि कार्यालय सहायक श्रेणी-3 श्रीमती रमा पांडेय दूसरे स्थान पर और कार्यपालन अभियंता (सिविल-1), श्री शैलेंद्र तवरधारी तीसरे स्थान पर रहे। कविता लेखन में कार्यपालन अभियंता (सिविल-1), शैलेंद्र तवरधारी को पहला पुरस्कार मिला। दूसरा पुरस्कार सेक्शन ऑफिसर श्री एस.के. तिवारी को मिला। जबकि तीसरा पुरस्कार कार्यालय सहायक श्रेणी 3 श्री महेंद्र कुमार राठौर ने जीता। पूरे सप्ताह कार्यक्रम का संचालन सहायक अग्निशमन अधिकारी श्री एच.आर. साहू ने किया। उद्घाटन समारोह में आभार प्रदर्शन सहायक अभियंता (सी.एच. पी) श्री आशीश हटवार ने किया। समापन समारोह में वरिष्ठ संरक्षाधिकार श्री आर.पी. राजपूत ने आगंतुकों को आभार जताया।

## कु. अपूर्वा को मिस रायपुर 2015 का मिला खिताब

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत उत्पादन कंपनी के मुख्य अभियंता (सिविल सुधार : उत्पादन) कार्यालय में कार्यरत श्री रंजीत सेनगुप्ता की सुपुत्री कु. अपूर्वा को मिस रायपुर 2015 होने का गौरव प्राप्त हुआ। बी.ई. (इलेक्ट्रानिक टेलीकम्यूनिकेशन) की डिग्री प्राप्त कु. अपूर्वा की अभिरूचि पेंटिंग, गायन एवं हिन्दी-अंग्रेजी में कविता लेखन में है। ऐसी विधाओं के अनेक स्पर्धा में इन्हें पुरस्कृत होने का गौरव प्राप्त है। बधाई-शुभकामनायें...

## राज्यस्तरीय नारा लेखन में गोपाल कृष्ण पटेल पुरस्कृत

हसदेव ताप विद्युत गृह कोरबा पश्चिम में कार्यरत श्री जे.एल. पटेल एवं श्रीमती रामप्यारी पटेल के सुपुत्र चि. गोपाल कृष्ण पटेल को राज्यस्तरीय नारा लेखन स्पर्धा में पुरस्कृत होने का गौरव प्राप्त हुआ। यह पुरस्कार बी.टी.आई. मैदान, शंकर नगर रायपुर में मान. मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह के हाथों इन्होंने ग्रहण किया।

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल द्वारा आयोजित 'अपना घर' विषय पर नारा लिखना था जिसमें चि. गोपाल कृष्ण द्वारा लिखित नारा "अविरल बरसे स्नेह यहां शांति का सदा निवास, हर पंछी को मिले बसेरा जन-जन को आवास।" "राज्य में आवास मिला हर हितग्राही हर वर्ग, प्रदेश की हुई उन्नति धरती बनी है स्वर्ग।" को दो हजार रुपए नगद, प्रशस्ति पत्र एवं प्रतीक चिन्ह हेतु चयनित किया गया। बधाई-शुभकामनायें...

## सृजन दत्ता

छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर होल्डिंग कंपनी के मानव संसाधन विभाग में सेवारत प्रबंधक श्री आर.एन. दत्ता के सुपुत्र सृजन दत्ता ने बिलासपुर में आयोजित नाट्य कला प्रदर्शन में अपनी उत्कृष्ट अभिनय क्षमता का परिचय दिया। बिलासपुर के देवकी नंदन दीक्षित सभाभवन में श्री भरत वेद के निर्देशन में प्रदर्शित नाटक कबाड़ खाना में सृजन ने "शिखण्डी" की चुनौतीपूर्ण भूमिका को सहज एवं प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। अभिनय के अलावा इन्होंने नाटक के पार्श्व संगीत के अन्तर्गत सिंथेसाइजर का वादन कर अपनी बहुमुखी प्रतिभा का परिचय दिया। विदित हो कि सृजन ने पूर्व में भी अनेक अखिल भारतीय नाट्य एवं नृत्य स्पर्धा में प्रस्तुति देकर पुरस्कार अर्जित कर पॉवर कंपनी परिवार को गौरवान्वित किया है। बधाई...

## युगराज यादव

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत होल्डिंग कंपनी के उपमहाप्रबंधक (मा.सं.)- दो कार्यालय में पदस्थ श्री प्यारे लाल यादव, भृत्य के सुपुत्र युगराज यादव ने शक्ति कान्वेंट स्कूल सिमगा में पहली कक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त किया। युगराज के कक्षा में कुल 68 छात्र-छात्रायें है। बधाई...

# A BUNCH OF THOUGHTS

**>> *Countdown to retirement is not shut down of life.***

**>> *Correction is easier than creation.***

**>> *Beauty is external wrapper. Quality is inner projector.***

**>> *Temporary solution gives temporary relief.***

**>> *If we shake hands with energetic person, we also get charged up.***

**>> *Need of a person can be met, but greed can not be.***

**>> *Fortune gives a chance, but braves take a chance.***

**SUNIL KUMAR PANDE**
Senior Stenographer
O/o ED (EHT : C&M)
CSPTCL, Raipur

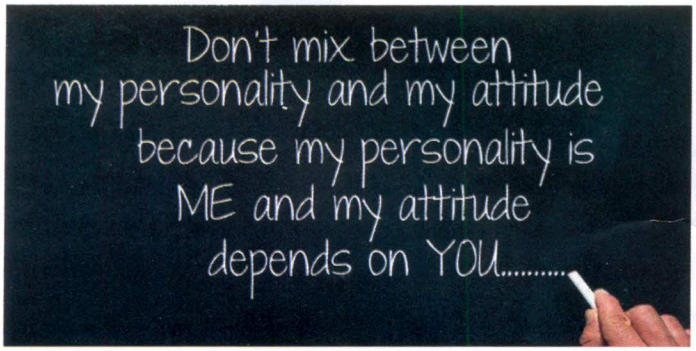


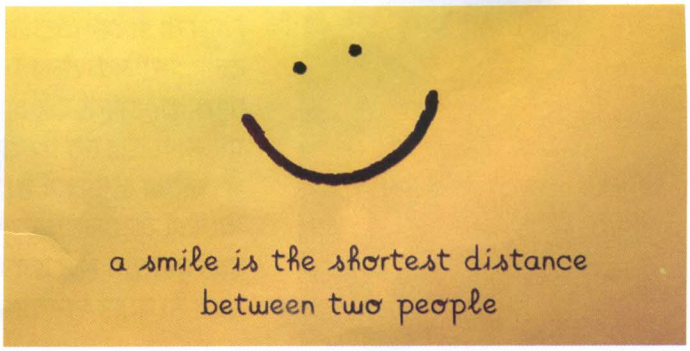

## चिन्तन आलेख

# परम्पराओं का ज्ञान कराते है पर्व

हमारे देश के किसी भी धर्म के पर्व-त्यौहार हमको हमारी रीति-रिवाज, परम्परा, संस्कार और संस्कृति का ज्ञान कराते हैं। जन-मन के हदृय में उमंग, उल्लास और खुशियों की नई ऊर्जा का संचार करते हैं। यही वजह है कि त्यौहारों की तैयारी में डूबे जनमन अपना सुख-दुख भुला देता है। ऐसा ही एक त्यौहार है, होली, जो कि फागुन माह का सिरमौर पर्व है। फागुन माह में चारों ओर हलचल मचा देने वाली होली सुख-दुख, छोटे-बड़े, जात-पांत, ऊंच-नीच को भुलाकर एक हो जाने का त्यौहार है।

फागुन माह के इस पर्व का नाम आते ही मन मस्तिष्क में राग-रंग, मौज-मस्ती, हंसी-ठिठोली की मनमोहक तस्वीर उभर आती है। सरसों, धनिया, अलसी, सेंभर, पलास के रंग-बिरंगे महकते फूल, आम के बौर और कोयल की कुहू-कुहू इस पर्व के आनंद को द्विगुणित कर देते हैं। वर्ष के पूरे ग्यारह माह की भागम-भाग और दौड़-धूप भरी जिंदगी के बाद माह फागुन का पर्व आनंद सागर में हिलोरें लेने का सुख देता है, लेकिन बदलते दौर में आनंद उल्लास के माह फागुन का सिरमौर पर्व होली अब रंग के बजाय हुडदंग का त्यौहार बनता जा रहा है। रंग, अबीर, गुलाल से सराबोर होली त्यौहार के आड़ में लोग अश्लील भौंडा और फूहड़ प्रदर्शन कर इसे हुड़दंग का पर्व बनाते जा रहे हैं।

सच्चे अर्थों में देखा जाये तो यह पर्व कम खर्चों में ज्यादा सुख देने वाला त्यौहार है। इस दिन लाल, हरा, पफला, गुलाल का एक छोटा सा टीका हर गरीब-अमीर, छोटे-बड़े, ऊंच-नीच के भेदभाव को भुला देने की ताकत से लबरेज होता है। मन में पड़ी गांठों को खोलकर आपसी मनमुटाव को भुला देने वाला यह त्यौहार है। इसी बात को कवि आनंद तिवारी ने छत्तीसगढ़ी भाषा में बखूबी व्यक्त किया है कि ''मया के रंग म मन ल चिभोर ले, अपन अंचरा म मोर गांठ जोर ले, अंतस के सब्बो संसो मिटा जाही, गोठ में थोरिक मदरस ल घोर ले।''

होली की ऐसी सुंदर परम्परा को बनाकर रखना चाहिये। इस पर्व पर हरे पेड़-पौधों को काटने के बजाय इनकी सुरक्षा होनी चाहिये। इसके विपरीत अब होली त्यौहार की आड़ में जो सामाजिक एवं पर्यावरण प्रदूषण का खेल चल रहा है वह इस सुंदर त्यौहार को कलंकित करता है। अतः इस पर्व पर आगे आकर बहके हुये दिशाहीन लोगों को संदेश देना चाहिये कि ''हरे पेड़ कटने न दे, जलस्तर घटने न दे, भाईचारे को जात-धरम में बंटने न दे, होली पर यही पैगाम है, हिन्दू को राम राम, मुस्लिम भाईयों को सलाम है।''

पर्वों में मांस-मदिरा का सेवन करके मार-धाड़, चोरी-चकारी और असभ्य हरकतों को प्रदर्शित करने वालों लोगों को सक्ती राज के राजपुरोहित स्वर्गीय शिवकुमार चौबेजी राक्षस कुल के तथा सौम्यतापूर्वक फाग गाते रंग-गुलाल खेलते लोगों को देव कुल के इंसान कहते थे। पर्वों पर हुड़दंग करने वालों को सुधर जाने का संदेश देते हुये वे एक पौराणिक कथा बताते थे कि - हिरण्यकश्यप नाम का एक भारी बलसाली असुर राजा था। वो स्वयं को देवी-देवताओं से बड़ा मानता था। उसके राज में देवी-देवताओं का नाम लेने की कल्पना मात्र से प्रजा थरथर कांपती थी, इसके विपरीत हिरण्यकष्यप का बेटा प्रहलाद हमेशा प्रभु स्मरण में लीन रहता था। अपने बेटे की भगवान भक्ति को देख-देख कर रात-दिन वह तिलमिलाते रहते प्रहलाद के भक्ति भाव को खत्म करने के प्रयास में जुटा रहता था।

एक दिन हिरण्यकश्यप ने अपनी बहिन होलिका की गोद में प्रहलाद को बैठा कर बड़ी-बड़ी लकड़ियों से उसे घेरकर आग लगाने का आदेश दिया। दरअसल होलिका को आग में नहीं जलने का वरदान प्राप्त था। यही वजह से हिरण्यकश्यप के मन में विचार आया कि प्रहलाद जल के खाक हो जायेगा, इस घटना को प्रत्यक्ष देखने बड़े-बड़े राक्षसों के साथ ही बड़ी संख्या में आम प्रजा की भीड़ वहां जुट गई। इन सबके सामने लकड़ियों में आग लगा दी गई। धू-धू करती लकड़ियों के संग होलिका भी जल कर राख हो गई पर प्रहलाद प्रभुलीला में लीन भजन गाते, हंसते-मुस्कुराते जीवित मिला। इसे देख कर हिरण्यकश्यप के साथ ही साथ वहां उपस्थित राक्षस नशापान करके प्रजाजन को मारने-पीटने लगे, जबकि उनके विपरीत आम प्रजा भक्त प्रहलाद के बचने की खुशी मनाते रंग-गुलाल में लीन प्रभु भजन करते नाचने, गाने में मस्त थे।

इस पौराणिक कथा से यह बात स्पष्ट उजागर हो जाती है कि हुड़दंग करने वाले लोग राक्षस कुल के होते हैं तथा नशापान से दूर आपस में गले मिलते लोग भगवान कुल के होते हैं। होलिका दहन समाज के कुप्रथा के अंत और बुराई के ऊपर अच्छाई की जीत को दर्शाती है। यह पर्व इस बात को भी व्यक्त करता है कि परहित और प्रभु सेवा मे रहने वाले लोग प्रहलाद की तरह अजर-अमर हो जाते है तथा बैर भाव रखने वाले, निन्दाचारी-अत्याचारी लोगों का विनाश होलिका की तरह हो जाता है।

इसे भली-भांति जानते हुये भी जो लोग राक्षसों की तरह आचार-विचार रखते हैं और रंगों के त्यौहार को दंगों-हुड़दंगों का त्यौहार के रूप में कलंकित करते हैं, उन्हें ललकारते हुये अंत में कवि अशोक साहिल के शब्दों में कहना होगा कि ''रंगों की कसम देता हूं तुम्हें, मुझे मजहब के तराजू में न तौला जाये, इंसान रहने की कसम खाई हैं मैंने, मुझे हिन्दू या मुसलमान न समझा जाये।''

# भारतरत्न डॉ. भीम राव अंबेडकर

भारत को संविधान देने वाले महान विभूति डा. भीम राव अंबेडकर का जन्म 14 अप्रैल 1891 को मध्य प्रदेश के एक छोटे से गांव मऊ छावनी में हुआ था। डा. भीमराव अंबेडकर के पिता का नाम रामजी मालोजी सकपाल और माता का भीमाबाई था। अपने माता-पिता की चौदहवीं संतान के रूप में जन्मे डॉ. भीमराव अम्बेडकर जन्मजात प्रतिभा संपन्न थे।

भीमराव अंबेडकर के बचपन का नाम भीवा था. अंबेडकर के पूर्वज लंबे समय तक ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी की सेना में कार्य करते थे और उनके पिता ब्रिटिश भारतीय सेना की मऊ छावनी में सेवा में थे. भीमराव के पिता हमेशा ही अपने बच्चों की शिक्षा पर जोर देते थे।

1894 में भीमराव अंबेडकर जी के पिता सेवानिवृत हो गए और इसके दो साल बाद, अंबेडकर की मां की मृत्यु हो गई. बच्चों की देखभाल उनकी बुआ ने कठिन परिस्थितियों में रहते हुये की। रामजी सकपाल के केवल तीन बेटे, बलराम, आनंदराव और भीमराव और दो बेटियाँ मंजुला और तुलासा ही इन कठिन हालातों मे जीवित बच पाए। अपने भाइयों और बहनों मे केवल अंबेडकर ही स्कूल की परीक्षा में सफल हुए और इसके बाद बड़े स्कूल में जाने में सफल हुये। अपने एक देशस्त ब्राहमण शिक्षक महादेव अंबेडकर जो उनसे विशेष स्नेह रखते थे के कहने पर अंबेडकर ने अपने नाम से सकपाल हटाकर अंबेडकर जोड़ लिया जो उनके गांव के नाम "अंबावडे" पर आधारित था।

अंबेडकर जी की प्रतिष्ठा एक अद्वितीय विद्वान और विधिवेत्ता की थी जिसके कारण जब 15 अगस्त, 1947 में भारत की स्वतंत्रता के बाद, अंबेडकर जी को देश का पहले कानून मंत्री के रूप में सेवा करने के लिए आमंत्रित किया, जिसे उन्होंने स्वीकार कर लिया। 29 अगस्त 1947 को अंबेडकर को स्वतंत्र भारत के नए संविधान की रचना के लिए बनी संविधान मसौदा समिति के अध्यक्ष पद पर नियुक्त किया गया। 26 नवंबर, 1949 को संविधान सभा ने संविधान को अपना लिया। 6 दिसंबर 1956 को भारतरत्न डॉ. अंबेडकर जी का देहावसान हुआ।

## शहीद दिवस - 23 मार्च

23 मार्च 1931 की रात भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु की देश-भक्ति को अपराध की संज्ञा देकर फांसी पर लटका दिया गया। कहा जाता है कि मृत्युदंड के लिए 24 मार्च की सुबह तय की गई थी लेकिन किसी बड़े जनाक्रोश की आशंका से डरी हुई अँग्रेज सरकार ने 23 मार्च की रात्रि को ही इन क्रांति-वीरों की जीवनलीला समाप्त कर दी। रात के अँधेरे में ही सतलुज के किनारे इनका अंतिम संस्कार भी कर दिया गया।

"लाहौर षड़यंत्र" के मुकद्दमे में भगतसिंह को फांसी की सजा दी गई थी तथा केवल 24 वर्ष की आयु में ही, 23 मार्च 1931 की रात में उन्होंने हँसते-हँसते, 'इंकलाब जिंदाबाद' के नारे लगाते हुए फांसी के फंदे को चूम लिया। भगतसिंह युवाओं के लिए भी प्रेरणास्रोत बन गए। वे देश के समस्त शहीदों के सिरमौर थे।

# छुक-छुक करती रेलगाड़ी का गौरवशाली इतिहास

भारत में रेलगाड़ी चलने की शुरूआत 16 अप्रैल 1853 को हुई थी। 16 अप्रैल 2015 को रेलगाड़ी ने अपने 162 वर्ष के गौरवमयी इतिहास को पूर्ण किया। भारत में मुंबई से थाने के बीच लगभग 34 किलोमीटर के रेल्वे ट्रेक से रेल यात्रा का आरंभ हुआ था। इस इतिहास में छत्तीसगढ़ का रेल इतिहास भी शामिल है। वर्ष 1882 में रेल का सफर छत्तीसगढ़ में शुरू हुआ था। इस सफर में बिलासपुर तथा हैदराबाद एवं रायपुर से धमतरी तक की रेल लाईन का ऐतिहासिक महत्व रहा है।

वर्ष 1889 में रायपुर-धमतरी नैरोगेज रेल लाईन का निर्माण किया गया। विश्व के सबसे बड़ा रेल्वे नेटवर्क के रूप में अपनी पहचान बनाये हुये भारतीय रेल विविध गेज प्रणालीयुक्त है, जिसमें ब्रॉड गेज, मीटर गेज एवं नैरो गेज शामिल हैं। आज भारतीय रेल का जाल 64 हजार 640 किलोमीटर से अधिक दायरे में फैला हुआ है। इस विशाल दायरे के अंतर्गत लगभग 7133 स्टेशन विद्यमान है। देश-प्रदेश के औद्योगिक, कृषि जगत को उन्नत करने में रेल प्रणाली की महत्वपूर्ण भूमिका है। विद्युत चलित रेल के आने के बाद रेल जगत में क्रांतिकारी प्रगति हुई है।

# स्वर्ग का फूल गुलमोहर

समूचे भारत के गर्म तथा नमी वाले स्थानों में लाल, नारंगी पीले रंगयुक्त गुलमोहर भीषण गर्मी में भी अपनी आभा बिखेरते जनमन को मोहित करता है। इसकी मूल जन्मभूमि मेडागास्कर देश को माना जाता है। फ्रांसिसियों ने इसकी सुंदरता को देखते हुये इसे अपनी भाषा में स्वर्ग का फूल नाम दिया। भारत में इसका इतिहास लगभग 200 वर्ष पुराना है। संस्कृत में गुलमोहर को राज-आभरण के नाम से जाना जाता है, जिसका अर्थ है राजसी आभूषणों से सजा हुआ वृक्ष। गुलमोहर के फूलों से श्रीकृष्ण की प्रतिमा के मुकुट का शृगांर किया जाता है। इसे संस्कृत में कृष्णचूड़ भी कहते हैं। भारत के अलावा यह नाइजीरिया, श्रीलंका, मैक्सिको, आस्ट्रेलिया, अमेरिका, यूगांडा, ब्राजील में भी खूब पाया जाता है। गुलमोहर की पत्तियॉ हरे रंग की फर्न जैसी होती है तथा इसके फल का रंग हरा होता है। सूखने के बाद इसके फल भूरे रंग के हो जाते हैं और हवाएं जब चलती है तो फल के भीतर सूखे हुये बीज से झुनझुने की तरह आवाज आती है। तब ऐसा प्रतीत होता है जैसे कोई बात कर रहा है। इसलिये इसका एक नाम ''औरत की जीभ'' भी है। गुलमोहर की छाल और बीजों का आयुर्वेदिक महत्व भी है। रंगों का पर्व होली में गुलमोहर के फूलों से रंग बनाने की परंपरा भी अनादिकाल से चली आ रही है।

# पीले मोतियों जैसे फूलों का पेड़ अमलतास

भीषण गर्मी से पीड़ित जीव जन्तुओं, पशु पक्षियों को अपनी पीले मोतियों की लड़ी जैसे फूलों से आकृष्ट करता है, अमलतास का वृक्ष। शब्दसागर के अनुसार हिन्दी शब्द अमलतास का नाम संस्कृत अम्ल (खट्टा) से निकला है। भारत में इसके वृक्ष सभी प्रदेशों में मिलते हैं। बंगला में इसे सोनालू, गुजराती में गरमाष्ठो, संस्कृत में व्याधिघात नामों से जाना जाता है। ग्रीष्मकाल के बाद अमलतास के वृक्ष पर लगभग डेढ़ फीट के आकार की बेलनाकार काले रंगों की फल्लियां पकती हैं। आयुर्वेद में इस वृक्ष के सभी भागों को औषधियुक्त बताया गया है।

# God is One

| A | B | C | D | E | F | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | |
| G | H | I | J | K | L | M |
| 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 |

| N | O | P | Q | R | S | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 14 | 15 | 16 | 17 | 18 | 19 | |
| T | U | V | W | X | Y | Z |
| 20 | 21 | 22 | 23 | 24 | 25 | 26 |

Then,

For **HINDU**

| | योग | मूलांक |
|---|---|---|
| SHREE KRISHNA | | |
| 19+8+18+5+5+11+18+9+19+8+14+1 | 135 | 9 |

For **PARSI**

| | | |
|---|---|---|
| ZARATHARUST | | |
| 26+1+18+1+20+8+1+18+21+19+20 | 153 | 9 |

For **SIKH**

| | | |
|---|---|---|
| GURU NANAK | | |
| 7+21+18+21+14+1+14+1+11 | 108 | 9 |

For **MUSLIM**

| | | |
|---|---|---|
| MOHAMMED | | |
| 13+15+8+1+13+13+5+4 | 72 | 9 |

For **CHRISTIAN**

| | | |
|---|---|---|
| ISU MASIH | | |
| 9+19+21+13+1+19+9+8 | 99 | 9 |

For **JAIN**

| | योग | मूलांक |
|---|---|---|
| MAHAVIR | | |
| 13+1+8+1+22+9+18 | 72 | 9 |

For **BUDHIST**

| | | |
|---|---|---|
| GAUTAM | | |
| 7+1+21+20+1+13 | 63 | 9 |

**IT MEANS GOD IS ONE**

रामकुमार शर्मा
अनुभाग अधिकारी
कार्या. उपमहाप्रबंधक
(मा.सं.)-दो, रायपुर

# ।। कुर्यात सदा मंगलम् ।।

**डाली संग गार्गीशरण**

छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर उत्पादन कंपनी के कार्यालय कार्यपालक निदेशक (संचा/संधा) में कार्यरत श्री वाई.के. सिंह, सहायक अभियंता की सुपुत्री सौ.कां. डाली सिंह का शुभ विवाह दुर्ग निवासी श्री वीरेन्द्र सिंह विनोद के सुपुत्र चि. गार्गीशरण विनोद के साथ दिनांक 10 फरवरी 2015 को भिलाई में हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न हुआ। बधाई...

**उमेश संग हर्षा**

छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर वितरण कंपनी के कार्यालय कार्यपालक निदेशक (वित्त) में कार्यरत श्री अरूण कुमार देवांगन, कार्यालय सहायक श्रेणी-एक की सुपुत्री सौ.कां. हर्षा का शुभ विवाह भिलाई निवासी श्री उत्तमचंद देवांगन के सुपुत्र चि. उमेश के साथ दिनांक 30 अप्रैल 2015 को रायपुर में हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न हुआ। बधाई...

**प्रवीण संग जिज्ञासा**

छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर होल्डिंग कंपनी के कार्यालय उपमहाप्रबंधक (औद्योगिक संबंध) में कार्यरत श्री कमलेश कुमार केक्ती, कार्यालय सहायक श्रेणी-1 के सुपुत्र चि. प्रवीण का शुभ विवाह राजिम निवासी श्री होमनलाल साहू की सुपुत्री सौ.कां. जिज्ञासा के साथ दिनांक 11 मार्च 2015 को रायपुर में हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न हुआ। बधाई...

**प्रवीण संग अल्का**

छ.रा. पॉवर वितरण कं. के कार्यालय मुख्य अभियंता (राजनांदगांव) में कार्यरत श्री डी.पी. साहू, कार्या. सहा. श्रेणी-1 के सुपुत्र चि. प्रवीण साहू का शुभ विवाह कार्य.अभि. (संचा/संधा) संभाग, छ.रा.वि.वितरण कंपनी के कार्यालय में पदस्थ सहा.अभि. श्री पी.सी. साहू की सुपुत्री सौ.कां. अल्का साहू के साथ दिनांक 29 जनवरी 2015 को सानंद संपन्न हुआ। बधाई...

**अविनाश संग श्रद्धा**

छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर वितरण कंपनी में कार्यरत श्री डी.आर. भादे, सहायक अभियंता की सुपुत्री सौ.कां. श्रद्धा का शुभ विवाह दंतेवाड़ा निवासी श्री चरणलालजी बारंगे के सुपुत्र चि. अविनाश के साथ दिनांक 11 मार्च 2015 को छिंदवाड़ा (म.प्र.) में हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न हुआ। बधाई...

**प्रमोद संग रश्मि**

छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर होल्डिंग कंपनी के कार्यालय उपमहाप्रबंधक (जनसम्पर्क) में कार्यरत श्री हीराराम साहू, सिविल परिचारक श्रेणी-1 के सुपुत्र चि. प्रमोद (सोनू) का शुभ विवाह बलौदाबाजार निवासी श्री मोतीलाल साहू की सुपुत्री सौ.कां. रश्मि (रानू) के साथ दिनांक 29 मार्च 2015 को रायपुर में हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न हुआ। बधाई...

# नारी के रूप

हाय ये कैसा समय चला है
कहीं अबला तो कही बला है
नवयुग की है शान बनाकर
लघु वस्त्रों का चलन चला है
कहीं लज्जा एक आभूषण है
कहीं यही तो पिछड़ापन है
कहीं घूंघट में हो रही बसर है
कहीं पश्चिम का अति असर है
इस नवयुग की यह लीला है
मधुशाला में अब शीला है
करती हूं आशा उस पल की
हर नारी में नारित्व जगे
इस देश में दुनिया में सबको
प्यारा उसका अस्तित्व लगे
अस्तित्व जगाने में जबरन
इन वस्त्रों की ना हो कतरन
इस ओर कदम अब अगला हो
नारी मान सहित और सबला हो



**श्रीमती मीना रावले**
कार्या. सहा. श्रेणी-दो
कार्यालय कार्यपालन यंत्री
नगर संभाग पश्चिम, रायपुर

## होली गीत

आओ खेलें होली।
भाषा, मजहब और अलग बोली
बिखर रही आस्था
टूट रहा विश्वास
खो गई हंसी ठिठोली
आओ खेलें होली।।

टूटी कड़िया जोड़ लें
बेगानों की सुध होली
आओ खेलें होली।।

सब रंगों का, सब सुरों का
मिलन है रंगोली
आओ खेलें होली।।

खुशियों की बौछार हो
मिटे सब भेदभाव
तब सार्थक हो होली
आओ खेलें होली।।

प्रेम रंग, राम-कृष्ण
ईसा-मोहम्मद, बुद्ध-महावीर
रैदास-कबीर की है बोली
आओ खेलें होली।।

**के.के. पाठक**
कार्या. सहा. श्रेणी-दो
कार्यालय उपमहाप्रबंधक (वित्त)
छ.रा.वि.हो.कं., रायपुर

प्रमाणित किया जाता है कि पत्रिका के मेक, मुद्रण / प्रकाशन आदि गुणवत्ता एवं पत्रिका के अंदर के पृष्ठों में 90 जीएसएम आर्ट पेपर (सिनारमास) और कवर पृष्ठों में 220 जीएसएम आर्ट पेपर (सिनारमास) का उपयोग किया गया है. - मुद्रक

मयंक ऑफसेट प्रिंटर्स कंकालीपारा, रायपुर - 98271-76089, 97527-11101

# पत्तियों को जलाना दंडनीय अपराध है

नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल ने बड़े सख्त लहजे में कहा है कि पेड़ों से गिरने वाली पत्तियों को जलाना दंडनीय अपराध है। वैसे, इस बारे में समय-समय पर कई अदालतें व महकमे आदेश देते रहे हैं, लेकिन कानून के पालन को सुनिश्चित करने वाली संस्थाओं के पास इतने लोग व संसाधन है ही नहीं कि हरित न्यायाधिकरण के निर्देश का शत-प्रतिशत पालन करवाया जा सके। कई जगह तो नगर को साफ रखने का जिम्मा निभाने वाले स्थानीय निकाय खुद ही कूड़े के रूप में पेड़ से गिरी पत्तियों को जला देते हैं। असल में पत्तियों को जलाने से उत्पन्न प्रदूषण तो खतरनाक है हीं, सूखी पत्तियां कई मायनों में बेशकीमती हैं व प्रकृति के विभिन्न तत्वों का संतुलन बनाए रखने में उनकी बड़ी भूमिका है। वैसे, इन्हीं पत्तियों को जलाने के बारे में दिल्ली हाईकोर्ट ने 1997 में एक आदेश दिया था, जो कहीं ठंडे बस्ते में गुम हो गया और अब यह बात सामने आई कि दिल्ली-एनसीआर की आबोहवा इतनी दूषित हो चुकी है के पांच साल के बच्चे तो इसमें जी नहीं सकते।

पेड़ की हरी पत्तियों में मौजूद क्लोरोफिल हमें ऑक्सीजन देता है और पेड़ों के लिए शर्करायुक्त भोजन उपजाता है। जब पत्तियों का क्लोरोफिल चुक जाता है और वे पफली या भूरी पड़ जाती हैं, तब भी उनमें नाइट्रोजन, प्रोटीन, विटामिन, स्टार्च और शर्करा आदि का खजाना होता है। ऐसी पत्तियों को जब जलाया जाता ह, तो कॉर्बन, हाइड्रोजन, नाइट्रोजन व कई बार सल्फर से बने रसायन उत्सर्जित होते हैं। इसके कारण वायुमण्डल की नमी और ऑक्सीजन तो नष्ट होती ही है, इससे निकली तमाम दम घोटने वाली गैसें वातावरण को जहरीला बना देती हैं। इन दिनों अर्जुन, नीम, पीपल, इमली, जामुन, ढाक, अमलतास, गुलमोहर, शीशम जैसे पेड़ों से पते गिर रहे हैं और यह पूरी मई तक चलेगा।

एक बात और, पत्तों के तेज जलने की तुलना में उनके धीरे-धीरे सुलगने पर ज्यादा प्रदूषण फैलता है। एक अनुमान है कि सर्दी के तीन महीनों के दौरान दिल्ली-एनसीआर इलाके में जलने वाले पत्तों से पचास हजार वाहनों से निकलने वाले जहरीले धुएं के बराबर जहर फैलता है। अगर केवल एनसीआर की हरियाली से गिरे पत्तों को धरती पर यूं ही पड़े रहने दें, तो जमीन की गरमी कम होगी, मिट्टी की नमी भयंकर गरमी में भी बरकरार रहेगी। यदि इन पत्तियों के कम्पोस्ट खाद में बदल लें तो लगभग 100 टन रासायनिक खाद का इस्तेमाल कम किया जा सकता है। इस बात का इंतजार करना बेमानी है कि पत्ती जलाने वालों को कानून पकड़े व सजा दे। इससे बेहतर होगा कि समाज तक यह संदेश भली-भांति पहुंचाया जाए कि सूखी पत्तियां पर्यावरण-मित्र हैं, और उसके महत्व को समझना, संरक्षित करना सामाजिक जिम्मेदारी है।

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत होल्डिंग कंपनी मर्या. इंजीनियर, रायपुर, फोन : 0771-2574702, फैक्स : 0771-2574702, website - www.cseb.gov.in